



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026

VISIT:

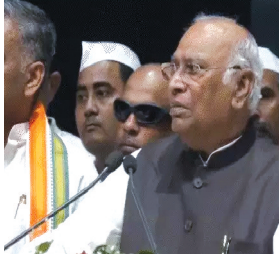
www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 354 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोदी को अपशब्द कहने पर खड़गे के खिलाफ शिकायत

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर शिकायत दर्ज कराई गई है। खड़गे ने पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में कहा था कि मोदी क्या, मोदी का बाप भी जाएगा। खड़गे ने यह बात एक कार्यकर्ता के जवाब में कही। कार्यकर्ता ने कहा था कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स को पिटाई कर दी। खड़गे के बयान पर गृह मंत्री अमित शाह से लेकर मुख्यमंत्री



सम्राट चौधरी सहित बीजेपी के कई नेताओं ने नाराजगी जताई है। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे माफी मांगें। खड़गे के खिलाफ रविवार रात पटना के कोतवाली थाने में शिकायत की गई है। बीजेपी के प्रदेश

कार्यसमिति सदस्य कृष्णा कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष को आवेदन देकर मामले की जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कृष्णा कुमार सिंह ने आवेदन में कहा, नरेंद्र मोदी के पिता के संबंध में कथित रूप से अभद्र एवं अपमानजनक टिप्पणी किए जाने की जानकारी मुझे टीवी के माध्यम से हुई। इससे हम सभी काफी आहत हुए। किसी व्यक्ति के परिवार के संबंध में सार्वजनिक मंच से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना संवेदनशील विषय है। सार्वजनिक जीवन में संवाद की मर्यादा और आपसी सम्मान बनाए रखना आवश्यक है।

चक्रवात अर्नब आंध्र की तरफ बढ़ा, 4 राज्यों में अलर्ट

6 लाख लोगों को हटाया जाएगा; ओडिशा में स्कूल बंद, MP-UP समेत 10 राज्यों में बारिश होगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। चक्रवात अर्नब बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 27 अक्टूबर तक तूफान का रूप ले सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 140 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश में करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी है। तटीय जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना,



छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में अलर्ट है। ओडिशा में 60 रेस्क्यू टीमें तैनात होंगी। छह जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। इस तूफान के असर से

MP-UP समेत 10 राज्यों में बारिश की भी संभावना है। वहीं, तमिलनाडु में पिछले 3 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। अरुनी के भास्कर नगर में पानी भर गया

है। लोग अपने घरों में फंस गए हैं। कोडाइकनाल में पर्यटकों की एंटी पर रोक लगा दी गई है। आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। ओडिशा में अर्रिज अलर्ट है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम, कर्नाटक और रायलसीमा में बारिश का यलो अलर्ट है। 28 अक्टूबर आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। झारखंड में बारिश का अर्रिज अलर्ट है। बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और कर्नाटक में बारिश का यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मंगलवार से बारिश का दौर शुरू

होने की संभावना है। पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी, उमरिया, शहडोल, अनुपपुर, डिंडौरी और बालाघाट में अर्रिज अलर्ट है, जबकि छतरपुर, कटनी, जबलपुर, मंडला, छिंदवाड़ा और सिवनी में भारी बारिश हो सकती है। बारिश की चेतावनी से पहले प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट आई है। कटनी के करौदी में न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। राजस्थान में 29 अक्टूबर से नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने के कारण जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में आंधी-बारिश की चेतावनी है। इससे पहले प्रदेश में तीन दिन मौसम साफ रहने का अनुमान है।

बंगाल मुख्यमंत्री बोले- कॉंकरोचों को पनपने न दें

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि दिमागी नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग और कॉंकरोचों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुवेंदु ने कॉंकरोच पार्टी पर निशाना साधा। रविवार को भी रामनगर में एक कार्यक्रम में सुवेंदु ने कहा था कॉंकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोराना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कीटनाशक स्प्रे हिट से ही खत्म किया जा सकता है। ममता राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश बनाना चाहती थीं: ममता सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश में बदलने की योजना बना रही थी। ममता ने विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की: 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी



और 15 साल तक सत्ता में रही TMC सरकार ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की। NCC में छात्रों का नामांकन रोकने की कोशिश: TMC सरकार ने शैक्षणिक संस्थाओं में राष्ट्रीय कैडेट कोराना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कीटनाशक स्प्रे हिट से ही खत्म किया जा सकता है। ममता राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश बनाना चाहती थीं: ममता सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश में बदलने की योजना बना रही थी। ममता ने विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की: 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी

चौथी बार राष्ट्रपति बनेंगे लूला: पीएम मोदी ने दी बधाई

भारत-ब्राजील साझेदारी के लिए क्यों अहम है जीत

नई दिल्ली(एजेंसी)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति चुनाव में शानदार वापसी करते हुए चौथी बार जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उन्हें बधाई दी और कहा कि वह भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। लूला ने रविवार को हुए दूसरे चरण के चुनाव में दक्षिणपंथी सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया। ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट (टीएसई) के मुताबिक, सभी मतदान केंद्रों पर मतगणना पूरी होने के बाद लूला को 51.8 प्रतिशत वैध वोट मिले, जबकि फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.2 प्रतिशत वोट हासिल हुए। दोनों के बीच करीब 44 लाख मतों का अंतर रहा। लूला की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि चार

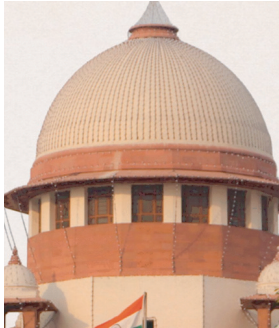


अक्तूबर को हुए पहले चरण में वह फ्लावियो बोल्सोनारो से पीछे रह गए थे। इसके बावजूद उन्होंने दूसरे चरण में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। करीब चार दशक पहले प्रत्यक्ष चुनाव बहाल होने के बाद यह पहला मौका है, जब पहले चरण में दूसरे स्थान पर रहने वाला कोई उम्मीदवार राष्ट्रपति चुनाव जीतने में सफल रहा है। लूला ब्राजील के पहले ऐसे राष्ट्रपति भी होंगे, जो चार कार्यकाल पूरे करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

टिकाऊ दुनिया बनाने के लिए काम करेंगे।" भारत के ब्राजील के साथ संबंधों में आई तेजी लूला की वापसी का असर केवल ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। वह पश्चिमी गोलार्ध में ब्रिक्स के प्रमुख समर्थकों में शामिल हैं। भारत ने 2026 में इस समूह की अध्यक्षता संभाली है और लूला के साथ उसके संबंधों में इस साल तेजी आई है। ऐसे में उनकी जीत से भारत के साथ सहयोग जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, ब्राजील की संसद में कमजोर स्थिति, अर्थव्यवस्था की चुनौतियां और अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव लूला के सामने मुश्किलें भी पैदा कर सकते हैं। पहले चरण में पिछड़ने के बाद लूला की वापसीतान सप्ताह पहले तक लूला को राजनीतिक स्थिति कमजोर मानी जा रही थी। चार अक्टूबर को पहले चरण के मतदान में फ्लावियो बोल्सोनारो को 47.03 प्रतिशत वोट मिले थे,

दिल्ली दंगों के आरोपी को लॉ की पढ़ाई की अनुमति नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी शादाब अहमद को गाजियाबाद की यूनिवर्सिटी में कानून की पढ़ाई के लिए जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने सुनवाई के दौरान जमानत की उन शर्तों में बदलाव करने से मना कर दिया, जिनके तहत अहमद को मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह इन शर्तों में बदलाव



नहीं करेगी। आरोपी के वकील ने दलील दी कि उसने दिल्ली विश्वविद्यालय में एलएलबी पाठ्यक्रम में दाखिले की कोशिश की थी, लेकिन नामांकन नहीं मिल

सका। इसके बाद उसे गाजियाबाद की एक यूनिवर्सिटी में दाखिला मिला। वकील ने इसे आरोपी के सुधार की दिशा में उठाया गया कदम बताया। इसके बाद वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। हालांकि, पीठ ने आरोपी को राहत के लिए निचली अदालत का रख करने की हट्ट दी। शादाब अहमद को जनवरी में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा की रियल एस्टेट कंपनी के मुख्य प्रमोटर अनिल मिश्रा की जमानत याचिका पर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा।

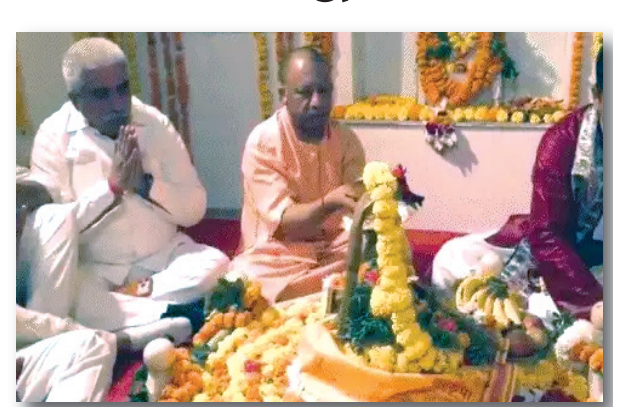
कोलकाता-बेटे-पिता समेत 3 लोगों को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के बेहाला इलाके में प्रेम संबंध को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती के परिवार वालों ने एक युवक, उसके पिता और दोस्त के साथ मारपीट की। इसके बाद तीनों के पूरे कपड़े उतारकर इलाके में घुमाया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार को सरसुना थाना क्षेत्र के बसुंधरा पार्क में हुई। युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध था। आरोप है कि युवती के परिवार वालों ने दोनों को साथ देखकर युवक और उसके दोस्त को पकड़ लिया। इसके बाद युवक को एक कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने इस मामले में युवती के पिता और मामा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना का कथित वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। नाराज स्थानीय लोगों ने युवती के घर में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के पहुंचने से पहले युवती के परिवार के कुछ सदस्य वहां से फरार हो गए।



योगी बोले- देश में 2 मियां, एक छोटे दूसरे बड़े

कानपुर(एजेंसी)। योगी महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने बिदूर पहुंचे थे। उन्होंने कहा- सपा की 2012 में जब सरकार बनी तो संत रविदास नगर के नाम को हटा दिया। आज फिर से भदोही को संत रविदास नगर कर दिया गया है। अब काशी चमक गई है। अयोध्या और मां विंध्यवासिनी धाम फिर से चमक उठा है। अयोध्या में एक्स्प्रेट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया है। हमें अपनी विरासत पर गर्व है। योगी ने वाल्मीकि आश्रम में जलाभिषेक और आरती की। बटुकों और साधु-संतों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद नाना साहब धुंधुपुंते पेशवा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। CM ने 411 करोड़ रुपये के 48 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और लोकार्पण किया। 1. अखिलेश जी, जनता आपको विदा कर चुकी है। अखिलेश यादव को एक बार विरासत में सत्ता मिली, लेकिन अब दोबारा सत्ता में आने का सपना छोड़ देना चाहिए। विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं। 2. CAA का विरोध करने पर सपा-कांग्रेस से सवाल योगी ने सपा-कांग्रेस से सवाल किया। पूछा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर आए पात्र हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदायों को नागरिकता देने वाले कानून का



विरोध क्यों किया। 3. पहले दंगाइयों और भू-माफिया को मिलाता था संरक्षण योगी ने सपा सरकार पर दंगाइयों और भू-माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कोसी कलां, मुजफ्फरनगर और जवाहर बाग की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में आम लोग और प्रजासत्ताक जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत भी समेटे हुए है। 5. चार हजार स्थलों का होगा संरक्षण और सुंदरीकरणयोगी ने बाबा साहब आंबेडकर, संत रविदास और महर्षि वाल्मीकि से जुड़े करीब 4 हजार स्थलों के विकास की योजना बताई। उन्होंने महिला पीएसी बटालियनों, महाराजा बिजली पासी स्मारक और रानी

लक्ष्मीबाई की विरासत को संरक्षित करने के कार्यों का भी जिक्र किया योगी ने कहा- अखिलेश जी आपको सत्ता एक बार विरासत से मिल गई थी। काठ की हड़िया दोबारा नहीं चढ़ती। आपके कारनामे को देखकर प्रदेश की जनता आपको विदा कर चुकी है। दोबारा सपना देखना बंद कीजिए। विरासत में एक बार गद्दी मिल सकती है लेकिन बुद्धि नहीं मिलती। बुद्धि के लिए प्रयास करना होता है। जमीन पर उतरना होता है। और आपको हरकतों को देख करके मैं कह सकता हूँ कि आप गद्दी तो एक बार भले ही पा गए लेकिन अब गद्दी भी नहीं मिलने वाली है और बुद्धि तो पहले से ही नदारद थी बिदूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कहा कि यूपी में महाराज जी ने विकास किया लेकिन बिदूर पर विकास की गति देने के लिए विशेष कृपा रही है।

मुख्यमंत्री ने टेकसंगम-2026 अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित किया

कौमी पत्रिका लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विज्ञान और टेक्नोलॉजी तभी मानवता के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं, जब वह भारतीय मनीषा, विवेक और लोककल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे लिए शीघ्र निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकती है, लेकिन उसे हमारा निर्णायक नहीं बनना चाहिए। एआई का संचालन हमारे विवेक के आधार पर होना चाहिए, न कि हमें उसके निर्णयों के भरोसे हो जाना चाहिए। टेक्नोलॉजी का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना, न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करना और समाज को सुरक्षित बनाना होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी आज यहां उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में टेकसंगम-2026 अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के द्वितीय दिवस के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने क्राइम फॉरेंसिक और विधिक अनुपालन पर आधारित लेक्सक्वू सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स तथा कन्सेप्ट मैनेजमेंट पोर्टल का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री जी ने 'एआई इन कन्सट्रक्शन' पुस्तक का विमोचन किया तथा



तथा 10 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्थानों के मध्य एमओओयू का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान यूपीओएसआईओएफओएसओ की परिकल्पना, प्रगति तथा संकल्प पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी। ज्ञातव्य है कि तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन टेकसंगम-2026 एआईओ, साइबर फॉरेंसिक, क्राइम प्रौद्योगिकी, डेटा

संरक्षण एवं विधिक अनुपालन का एकीकरण विषय पर आधारित है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संगम का सम्बन्ध उत्तर प्रदेश से बहुत पहले से रहा है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ के माध्यम से दुनिया ने उत्तर प्रदेश की क्षमता, सांस्कृतिक चेतना और व्यापक आयोजन-क्षमता को देखा। प्रयागराज का महाकुम्भ गंगा और यमुना के साथ अदृश्य सरस्वती के संगम का प्रतीक है। इसी प्रकार टेकसंगम भी विज्ञान, टेक्नोलॉजी और भारतीय मनीषा के समन्वय की एक नई दृष्टि प्रस्तुत करता है। यदि गंगा की तुलना विज्ञान और यमुना की तुलना टेक्नोलॉजी से करें, तो ये दोनों तभी मानव कल्याण के लिए उपयोगी हो सकती हैं, जब इनके साथ भारतीय ज्ञान-परम्परा के विवेक और लोककल्याण की भावना का समन्वय हो। भारतीय परम्परा में कहा गया है- 'विद्या ददाति विनयम्।' अर्थात् विद्या का उद्देश्य विनय है और विनय का उद्देश्य विवेक से पूर्ण होना है। प्रयागराज के महाकुम्भ में विज्ञान और टेक्नोलॉजी के साथ आस्था तथा अदृश्य सरस्वती का भाव भी जुड़ा दिखाई देता है। यही समन्वय टेकसंगम-2026 की भावना में भी परिलक्षित होना चाहिए।

जामिया चुनाव के मसले पर समर्थन में आए पूर्व छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में सोमवार को पूर्व छात्र छात्राओं ने प्रेसवार्ता कर इस पर चिंता जताई। जामिजा नगर स्थित सैयदा मंजिल में जामिया कलेक्ट्रेट की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व छात्रों और छात्र प्रतिनिधियों ने करीब दो दशक से परिसर में निर्वाचित छात्रसंघ नहीं होने पर सवाल उठाए। जामिया की पूर्व छात्रा समीना मिश्रा ने परिसर में लोकतांत्रिक माहौल बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से जुड़े छात्र प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा सलाहकार की भूमिका पर सवाल उठाए। छात्र संगठन से जुड़ी छात्रा समन ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनों में शामिल छात्रों की निगरानी की जा रही है और उनकी शिकायतें प्रॉक्टर कार्यालय तक पहुंचाई जा रही हैं। छात्रों ने सुरक्षा सलाहकार का पद समाप्त करने और मुख्य प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग की। प्रेसवार्ता में परिसर में सुरक्षा बलों की तैनाती का मुद्दा भी उठाया गया। छात्रों ने दावा किया कि विश्वविद्यालय में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के बीच कैंटीन और पुस्तकालय भी बंद हैं। प्रेसवार्ता में शामिल पूर्व छात्रों और जामिया समुदाय के अन्य सदस्यों ने प्रशासन से छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने और निर्वाचित छात्रसंघ बहाल करने के लिए स्पष्ट समयसीमा देने की मांग की।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने दो झपटमारों को दबोचा, मोबाइल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। लिबासपुर अंडरपास पर इयूटी कर रहे दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के दो कर्मचारियों ने सतर्कता दिखाते हुए मोबाइल झपटमार को पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से एक महिला से झपटा गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस आरोपी को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह लिबासपुर अंडरपास पर समग्रपुर बादली सॉकल के ट्रैफिक इन्स्पेक्टर संतोष गुप्ता के निर्देशन में एएसआई नरेंद्र और हेड कॉन्स्टेबल रमेश इयूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पकड़ो-पकड़ो की आवाज सुनाई दी। उन्होंने एक युवक को भागते देखा तो तुरंत उसका पीछा कर पकड़ लिया। पुछताछ में पता चला कि युवक ने एक महिला से मोबाइल फोन झपटा था। तलाशी लेने पर मोबाइल उसके पास से बरामद हो गया। आरोपी की पहचान रोहित के रूप में हुई है, जबकि पीड़िता का नाम रूवल बताया गया है। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद आरोपी और बरामद मोबाइल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। उत्तरी रेंज के यातायात पुलिस उपायुक्त डॉ. संचिन कुमार सिंघल ने पुलिसकर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

दिल्ली में हर हादसे के बाद ऑडिट के नाम पर आप ने लगाया वसूली का आरोप

-होटल, रेस्तरां, जिम और कोचिंग सेंटरों को निशाना बनाने का दावा, मायाजा सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में इमारतों की सुरक्षा जांच और ऑडिट के नाम पर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में हर महीने कोई न कोई हादसा होने के बाद मुख्यमंत्री सभी इमारतों के ऑडिट के नए आदेश देती हैं। इसके बाद ऑडिट और निरीक्षण के नाम पर बड़े पैमाने पर रिशतखोरी होने लगती है। सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि पहले नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली पुलिस पर वसूली के आरोप लगते थे, लेकिन अब अग्निशमन विभाग और राजस्व विभाग भी इस कथित वसूली में शामिल हो गए हैं। उनके मुताबिक, होटल, रेस्तरां, जिम, नर्सिंग होम, कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक इमारतों को इसका निशाना बनाया जा रहा है। आप नेता ने कहा कि व्यापारी समुदाय, जो परंपरागत रूप से जनसंघ और भाजपा का समर्थक रहा है, दिल्ली में कथित भ्रष्टाचार और नैतिक गिरावट को चुपचाप देख रहा है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

तस्वीरों को लेकर हुए विवाद पर चाकू से हमला, 4 धरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले की पुलिस ने युवक पर चाकू से वार करने के मामले में चार आरोपियों समेत एक नाबालिग को पकड़ा है। पहचान शाहबाद डेयरी निवासी आकाश (25), सनी (22) और रामप्रसाद (46) के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित रवि को आरोपियों ने हनुमान मंदिर के पास रोका और तस्वीरों को लेकर हुए विवाद के चलते उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पीड़ित पर चाकू से दो बार वार किए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल रवि को बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर शाहबाद डेयरी थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। इन्स्पेक्टर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

दुष्कर्म के आरोप से मुकरी नाबालिग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग से बार-बार दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद 37 वर्षीय आरोपी को जमानत दे दी है। सुनवाई के दौरान 16 वर्षीय पीड़िता अपने आरोपों से मुक्त गईं और उसने घटना से इन्कार कर दिया। उसने यह भी कहा कि वह बचपन दर्ज कराने के लिए कभी किसी जज के सामने पेश नहीं हुई थी। न्यायमूर्ति गिरिश कथापालिया ने पीड़िता के बयान और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता के पहले के बयान और अदालत में दी गई गवाही में बड़ा अंतर है। इसके बावजूद जज अधिकारी ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। कोर्ट ने कहा कि जांच और अभियोजन एजेंसियां अवसर गवाहों के मुकदमे को आरोपियों के बरी होने की वजह बताती हैं, लेकिन ऐसे मामलों में गवाहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती।

जमींदोज मकान के मलबे में दूसरे दिन ठेकेदार बाप और बेटे का शव

-पुलिस ने मकान गिरने के मामले में लापरवाही से मौत का मामला किया दर्ज

-मकान मालिक से की जा रही पूछताछ, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा

-सोमवार दोपहर बाद तब चला मलबा हटाने का काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार स्थित मिलन गार्डन इलाके में रविवार शाम जमींदोज हुए मकान के मलबे में खबर को लोगों की मोत हो गई। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोमवार की सुबह मलबे से शटरिंग ठेकेदार व उनके बेटे का शव निकाला गया। बाद में शवों को कब्जे में लेकर एंबुलेंस की मदद से जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। मृतकों की शिनाख्त हर्ष विहार निवासी चंद्रपाल (60) और इनके बेटे विजय कुमार (39) के रूप में हुई है। रविवार शाम को पहली मंजिल का लैंटर डलने के बाद दोनों पिता-पुत्र शटरिंग की जांच करने पहली मंजिल पर गए थे। इसी दौरान वह हादसे के शिकार हो गए। रातभर इनके परिजन हादसे वाले मकान के बाहर डरा डरा रहे। इस बीच घटनास्थल से मलबा हटाने का काम सोमवार दोपहर बाद भी जारी रहा, हालांकि अब इमारत में किसी और के दबे होने की आशंका नहीं है। पुलिस, दमकल विभाग, एनडीआरएफ, डीडीएमए, एमसीडी और सिविल डिफेंस की टीम बचाव कार्य में जुटे रहे। आशंका है कि पुराना मकान नष्ट डाले गए लैंटर का वजन सहन नहीं कर सका और जमींदोज हो गया। पुलिस ने इस संबंध में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मकान मालिक से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस ने सोमवार दोपहर बाद पिता-पुत्र दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कर दिया। देर रात को दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि हादसा रविवार शाम करीब 6.46 बजे ए-6, मिलन गार्डन, हर्ष विहार सेवधाम रोड पर हुआ। यहां मनोज कुमार नामक शख्स का करीब 200 गज का मकान बना था। ग्राउंड प्लोर को गोदाम के लिए इस्तेमाल हो रहा था। पिछले कुछ दिनों से मनोज कुमार मकान की पहली मंजिल का निर्माण करवा रहे थे। शटरिंग के बाद रविवार सुबह लैंटर डालने का काम शुरू हुआ। शाम 5 बजे काम समाप्त भी हो गया। इस बीच लेबर के जाने के कुछ ही देर बाद मकान भस्मराकार फिर गया। उस समय चंद्रपाल और इनका बेटा पहली मंजिल पर मौजूद थे। सूचना मिलने के बाद बचाव दल मौके पर पहुंचा।

छठ पर्व को लेकर मुख्यमंत्री ने किया सूर घाट का निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी।

सूर घाट पर चल रही छठ महापर्व की तैयारियों का सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाट परिसर को व्यापक साफ-सफाई, जरूरी स्थानों पर मरम्मत और रंग-रोगन कर उसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जाए। उन्होंने वर्षों से खराब पड़े हिस्सों को अस्थायी रूप से ठीक करने के बजाय उनकी समुचित मरम्मत करने को कहा। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जर्जर गेट,

जंग लगे ढांचे, मरम्मत की जरूरत वाले

हिस्सों, साफ-सफाई आदि को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने घाट पर दोनों ओर पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने और सभी लाइटों की जांच कर उन्हें दुरुस्त करने के लिए कहा। पानी की व्यवस्था में कमियां मिलने पर उन्होंने अधिकारियों से जवाब मांगा और पानी के कनेक्शन की जांच कर श्रद्धालुओं के लिए नहाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। शौचालयों और अन्य बुनियादी सुविधाओं की बदहाल पर उन्होंने तत्काल साफ-सफाई, मरम्मत तथा समुचित रखरखाव के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व के दिन तक इंतजार करने के बजाय सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त होनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने साफ-सफाई, मरम्मत, रंग-रोगन, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर पूरे करने को कहा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली में बसे पूर्वांचल के लाखों परिवारों की आस्था, भावनाओं और अपनी मिट्टी से जुड़े संस्कारों का उत्सव है। हर ब्रती को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।



राव तुलाराम फलाईओवर को हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को राजधानी के राव तुलाराम (आरटीआर) फलाईओवर का निरीक्षण करके आज शाम से हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि निरीक्षण के दौरान गो स्टेब वाले हिस्से में कंक्रिट खराब होने, दरारें आने और लोहे की सरियों के खुले होने जैसी समस्याएं सामने आई थीं। इसी कारण सुरक्षा के मद्देनजर यहां यातायात अस्थायी रूप से बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि आवश्यक मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है और फलाईओवर आज शाम से हल्के वाहनों के लिए दोबारा खोल दिया जाएगा। वर्ष 20०9 में बने इस फलाईओवर की मजबूती और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक संरचनात्मक ऑडिट भी किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित रहे। मंत्री सिरसा ने कहा कि दिवाली के समय दिल्ली के लोगों को जाम और प्रदूषण, दोनों से राहत मिले, इसी दिशा में आज मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के साथ आरटीआर फलाईओवर का निरीक्षण किया। यहां जाम की वजह से प्रदूषण का बड़ा हॉटस्पॉट बन रहा था। उन्होंने कहा कि लोगों की परेशानी को देखते हुए आज शाम 6 बजे तक जरूरी मरम्मत का काम पूरा कर फलाईओवर खोलने के निर्देश दिए गए हैं। भारी ट्रैफिक के लिए आगे जरूरी काम भी कराया जाएगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार हर प्रदूषण हॉटस्पॉट की लगातार निगरानी कर रही है। जाम और प्रदूषण कम करने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है, ताकि त्योहार के इस समय में लोगों को बेवजह परेशानी न हो।

स्कूल से रोजगार तक की राह आसान बनाएगा सीबीएसई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 26 और 27 अक्टूबर को ‘स्कूल से रोजगार (कार्य-जगत) तक की राह आसान बनाने’ विषय पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली-पनसीआर के सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य स्कूली शिक्षा के साथ कौशल शिक्षा को बेहतर तरीके से जोड़ना है। इसके जरिए विद्यार्थियों के लिए स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार की दुनिया में कदम रखने आसान बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में स्कूली शिक्षा सचिव टीके अर्निल कुमार ने इसकी चार प्रमुख प्राथमिकताओं के बारे में बताया। इनमें तकनीक, डिजिटल सुरक्षा और कौशल विकास, डिजाइन, रचनात्मकता और नवाचार, राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के माध्यम से अलग-अलग शिक्षा प्रणालियों में कौशल को मान्यता देना तथा सभी विद्यार्थियों के लिए समान अवसरों के साथ करियर संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना शामिल है। शिक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस सम्मेलन में स्कूलों के प्रमुख, शिक्षक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और नीति निर्माता हिस्सा ले रहे हैं। इसमें मध्यम से रोजगार के क्षेत्र में आने वाली जरूरतों और विद्यार्थियों को आने वाले समय के करियर के लिए तैयार करने के नए तरीकों पर चर्चा की जा रही है। सम्मेलन के जरिए प्रतिभागियों को एक-दूसरे से जुड़ने और आपसी सहयोग के नए अवसर भी मिल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीटी) 2020 की मंशा के अनुरूप सम्मेलन में शिक्षा की अलग-अलग धाराओं के बीच की बाधाओं को दूर करने और विद्यार्थियों को बदलते रोजगार के माहौल के अनुकूल जरूरी क्षमताओं से लेस करने पर जोर दिया जा रहा है।

शिवाजी कॉलेज में शुरु हुआ ‘ अगस्त्य स्पेस सेंटर ’

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के टेेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी), बेंगलुरु की उप निदेशक एवं ‘ रॉकेट वुमन ऑफ इंडिया ’ के नाम से प्रसिद्ध डॉ. नंदिनी हरिनाराथ ने ‘ अगस्त्य स्पेस सेंटर ’ का उद्घाटन तथा कॉलेज की बहुविषयक शोध पत्रिका ‘ शिवाज 35० ’ के प्रथम अंक और इसकी वेबसाइट का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने ‘ फॉम ह्यूमन स्पेस एवाइट्रू टू डीप स्पेस: अ वर्ल्ड ऑफ चैलेंजेज विषय पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित किया। अपने विश्वे वाक्यांयन में डॉ. नंदिनी हरिनाराथ ने मानव अंतरिक्ष उड़ान से लेकर गहन अंतरिक्ष अन्वेषण तक की वैज्ञानिक एवं तकनीकी चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अंतरिक्ष अभियानों की सफलता में वैज्ञानिक नवाचार, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, सटीक योजना और विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। ‘ अगस्त्य स्पेस सेंटर ’ की स्थापना विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने तथा अनुसंधान एवं नवाचार की गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। शिवाजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि शिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, ताकिक चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियां और अनुसंधान के नए क्षेत्रों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

ज्वैलरी मार्केट, किनारी बाजार, नबी करीम, करोल बाग, झंडेवालान, जामा मस्जिद समेत अन्य बाजार बुरी तरह प्रभावित होंगे।

सदर बाजार के व्यापारियों ने भी ी रैली स्थगित करने की मांग

सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने राहुल गांधी की एक नवंबर को प्रस्तावित रैली स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान दिल्ली के

–हेप्पीनेस क्लास बंद होने से स्कूलों में चाकूबाजी और छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी ने सरकार पर दिल्ली के स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। आप विधायक कुलदीप कुमार ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता के दौरान

भगवान वाल्मीकी के प्रकटोत्सव पर मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना की



दिल्ली-एनसीआर में ठंड ने दी दस्तक, हल्की बारिश से वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। सोमवार सुबह लोगों को जहां हल्की ठंड का पहलास हुआ, वहीं रविवार तड़के हुई हल्की बारिश ने प्रदूषण के स्तर पर भी सकारात्मक असर डाला है। सोमवार सुबह शहर का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की वेदर रिपोर्ट के अनुसार, आज यानी 26 अक्टूबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। 27 अक्टूबर को तापमान 31 से 16 डिग्री के बीच रहेगा और आसमान साफ रहेगा। 28 अक्टूबर को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। हालांकि, 29 और 30 अक्टूबर को मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है,

जहां गरज-चमक के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान है। इस दौरान तापमान 31 से 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री के आसपास रहेगा। 31 अक्टूबर को फिर से आसमान आंशिक रूप से बादलों वाला रहेगा और तापमान 31 से 18 डिग्री के बीच रहने की उम्मीद है।

रविवार को हुई बारिश और तेज हवाओं के चलते दिल्ली-एनसीआर की हवा में जबरदस्त सुधार हुआ है। एनसीआर का एक्यूआई फिलहाल ‘रेड जोन’ (खतरनाक स्तर) से बाहर है। हालांकि, अभी भी कई इलाकों की हवा ‘खराब’ से ‘बहुत खराब’ श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों की बात करें तो पटवर्गुंज का एक्यूआई 202 दर्ज किया गया। पंजाबी बाग में 229, पूसा में 191, आरके पूरम में 233, रोहिणी में 200, शादीपुर में 151 और सोनिया विहार में 202 एक्यूआई दर्ज किया गया। एनसीआर के अन्य शहरों में भी हवा

त्यापारिक संगठनों ने की रामलीला मैदान को धरना स्थल की लिस्ट से हटाने की मांग

–रामलीला मैदान में प्रदर्शन हुआ तो 5 किलोमीटर के दायरे में 20 से ज्यादा बाजार होंगे प्रभावित

–सीटीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेजकर की रैली स्थगित करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।

त्योहारी सीजन के बीच रामलीला मैदान को धरना स्थल घोषित किए

के नुकसान की संभावना है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली के व्यापारियों की इस मांग को लेकर सरकारात्मक जवाब दिया है, लेकिन अब कांग्रेस एक नवंबर को ही रैली करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि त्योहारी सीजन में रैली हुई तो धनतेरस और दीपावली पर होने वाला कारोबार ठप हो जाएगा। रुट डायवर्जन और जाम के कारण ग्राहक बाजारों में नहीं पहुंच सकेंगे। सीटीआई का कहना है कि धनतेरस पर दिल्ली में सभी

सेक्टरों में लगभग 25 हजार करोड़ का कारोबार होता है। 8 नवंबर को दीपावली और 11 नवंबर को भैया दूज तक पीक सीजन रहता है। उसका कहना है कि रामलीला मैदान में रैली हुई तो इसके पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले 20 बड़े बाजार, 3 लाख व्यापारी और 15 लाख लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, चावडी बाजार, दरियागंज, कमला मार्केट, बागौर पैलेस, खारी बावली, नया बाजार, आजाद मार्केट, दरीबा

बाजारों में बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचते हैं। ऐसे में रैली के कारण यातायात प्रभावित होने से व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। रास्तों में बदलाव और जाम से ग्राहकों को बाजार पहुंचने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने राहुल गांधी और रैली के आयोजकों से व्यापारियों की आजीविका और आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तरीख पर पुनर्विचार करने की अपील की।

संक्षिप्त डायरी

ग्लोबल सिटी में देश की सबसे ऊंची इमारत बनाने की तैयारी

एजेंसी

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे के किनारे 1003 एकड़ में ग्लोबल सिटी विकसित की जा रही है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आधुनिक शहर के रूप में तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना में देश की सबसे ऊंची इमारत बनाने की योजना है। प्रस्तावित टावर की ऊंचाई 620 से 700 मीटर तक हो सकती है। परियोजना के पहले चरण को जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। करीब 940 करोड़ रुपये की लागत वाले इस चरण का 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसरचंवा विकास निगम एचएसआईआईडीसी) बुनियादी सुविधाएं विकसित कर रहा है। उपमहानग्नबंधक अरुण गर्ग ने बताया कि आधारभूत ढांचा समय पर तैयार होगा। इससे व्यावसायिक और आवासीय परियोजनाओं के विकास का मार्ग खुलेगा। ग्लोबल सिटी गुरुग्राम के सेक्टर-36, 36बी, 37, 37ए और 37बी में बन रही है। आइकॉनिक टावर प्रमुख आकर्षण होगा। इसके लिए द्वारका एक्सप्रेसवे के पास छह से सात एकड़ जमीन चिह्नित है। टावर में कार्यालय, होटल, खुदरा बाजार और अवलोकन डेक की संभावना है। बुनियादी ढांचे के बाद भूखंड निजी विकासकताओं को ई-नोलामी से मिलेंगे। ग्लोबल सिटी को गुरुग्राम के प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे करीब 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश और लगभग पांच लाख रोजगार के अवसर मिलने का अनुमान है।

जर्जर सड़कों से उड़ रही धूल, ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी कार्रवाई नहीं

एजेंसी

मानेसर। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाटिका चौक के पास जर्जर सड़क के कारण दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे वाहन चालकों और आसपास से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी सड़कों से उड़ती धूल को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मानेसर क्षेत्र के कई अन्य इलाकों में भी सड़कों की हालत खराब है। सड़कों पर धूल उड़ने से लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन का ध्यान चालान काटने पर है, जबकि पहले सड़कों से धूल साफ करवाने और उनकी मरम्मत कराने की जरूरत है। मानेसर सेक्टर-83 स्थित सफायर मॉल के पास व दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित वाटिका चौक के पास भी सड़क की हालत को लेकर लोगों ने चिंता जताई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार को मानेसर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्युआई) 155 दर्ज किया गया। पिछले दो दिनों से मानेसर की हवा की स्थिति संतोषजनक श्रेणी में है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

एजेंसी

गुरुग्राम, फर्रुखनगर-सुल्तानपुर रोड पर खाद बीच भंडार के समीप 35 वर्षीय एक युवक को सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक मजदूरी करता था। मृतक की पहचान यूपी के सोहनभद्र के गांव गुडहर कलां निवासी पवन देव पांडे के रूप में हुई है। मृतक अपनी बहन राधा मिश्रा के साथ फर्रुखनगर की बालाजी कॉलोनी में हरकेश के मकान में किराये पर रहता था। पुलिस ने राधा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। राधा ने पुलिस को बताया कि पवन देव 23 अक्टूबर की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था, लेकिन रात को वापस नहीं लौटा। 24 अक्टूबर को पुलिस ने सड़क हादसे में पवन की मौत होने की सूचना दी। वह मजदूरी करके घर की तरफ पैदल लौट रहा था।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

एजेंसी

गुरुग्राम,। गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर किया कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। घायल का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सोहना के गांव रिठौज निवासी भीष्म ने पुलिस में शिकायत दी कि उसके चाचा पवन बाइक से गुरुग्राम से सोहना की तरफ आ रहा था। किया कार की चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। इससे पवन सड़क पर गिर गया। घायल को निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यह हादसा छह अक्टूबर को हुआ है, लेकिन अब तक पवन एक निजी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने महिला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हाईवे पर लापरवाही से बस चलाने का वीडियो वायरल

एजेंसी

मानेसर। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हरियाणा रोडवेज की बस (एचआर69डीवाई2883) को लापरवाही से चलाने का वीडियो वायरल हो रहा है। चालक तेज रफ्तार में बस को जिंग-जैंग तरीके से चला रहा था। इससे यात्रियों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोग बस चालक पर कार्रवाई की मांग उठा रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है।

इंडियन ओपन में वाणी कपूर शीर्ष पर, खिताब की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी

गुरुग्राम। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चल रहे हीरो महिला इंडियन ओपन में भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर ली हैं। शनिवार को तीसरे दौर के शानदार प्रदर्शन के बाद वाणी कुल पांच अंडर 211 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। यदि वाणी यह खिताब जीतती हैं तो एक दशक बाद यह उपलब्धि किसी भारतीय गोल्फर के नाम होगी। इससे पहले अदिति अशोक ने 2016 में यह खिताब जीता था। पांच लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में वाणी ने तीसरे दौर में तीन अंडर 69 का स्कोर किया। हालाँकि, खिताब की राह उनके लिए आसान नहीं है। सिंगापुर की मौजूदा चैंपियन शैनन टैन और थाईलैंड की पोनानाना फाटलम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 है। शैनन टैन ने शुरूआती दौर में 77 के बाद शानदार वापसी की है। वाणी के पास केवल एक शॉट की बढ़त है, जिससे अंतिम दौर में कड़ी टक्कर की उम्मीद है।।रतीय गोल्फर प्रणवी उर्स बीमारी के बावजूद खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। उन्होंने तीसरे दौर में 73 का स्कोर किया। प्रणवी कुल तीन अंडर 213 के साथ अर्जेंटीना की मैग्डालेना सिमरमाकर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक कुल एक अंडर 215 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं।

रंगदारी सिंडिकेट मामले में आरोपी जगमोहन को जमानत

एजेंसी

गुरुग्राम। संगठित अपराध और रंगदारी सिंडिकेट से जुड़े आरोपी जगमोहन उर्फ भोद्दू को जिला अदालत ने जमानत दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुदीप गोयल की अदालत ने उसकी नियमित जमानत याचिका स्वीकार की। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने पांच जुलाई 2026 को स्पेशल ऑपरेशंस यूनिट, गुरुग्राम के एएसआई मुकेश कुमार को शिकायत पर मामला दर्ज किया था। गैंगस्टर दीपक नांदल हरियाणा और दिल्ली-पुनर्जीआर में कारोबारियों, संगीत निर्माताओं और फाइनेंसरों से रंगदारी मांगता था। आरोप है कि जगमोहन ने गैंग को कारोबारियों के मोबाइल नंबर, रेकी और वित्तीय लेनदेन में मदद की। उस पर हवाला के जरिये विदेश में रुपये भेजने और हथियार उपलब्ध कराने का भी आरोप था। बचाव पक्ष ने उसे झूठा फंसाये और जांच पूरी होने की दलील दी। अभियोजन पक्ष ने बैंक खातों से वित्तीय सहायता के आरोप पर जमानत का विरोध किया था।

आईकेयर अभियान के तहत लीगल सेल की पहल, नागरिक अधिकारों और महिलाओं की समस्याओं के समाधान पर जोर

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के विकास और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं सुगम समाधान के लिए नोएडा लोक मंच लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, संस्था के महत्वाकांक्षी 'नोएडा आईक्नर'अभियान को और अधिक प्रभावी, परिणाममूलक और व्यापक बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा लोक मंच के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शहर की वर्तमान समस्याओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और नागरिकों के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक का सबसे बड़ा निर्णय शहरवासियों को कानूनी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक विशेष 'लीगल सेल' का गठन करना रहा। जनहित और विधिक सहायता के लिए 'लीगल सेल' का गठन नोएडा में आए



दिन नागरिकों को विभिन्न प्रशासनिक, नागरिक और संपत्ति संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उचित कानूनी जानकारी के अभाव में कई बार आम लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हो जाते हैं। इन समस्याओं का ठोस और विधिक समाधान निकालने के लिए नोएडा लोक मंच ने एक समर्पित लीगल सेल बनाने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष की

जिम्मेदारी: इस नवनिर्मित लीगल सेल के अध्यक्ष पद की कमान शहर के जाने-माने और वरिष्ठ अधिवक्ता शिव सागर तिवारी को सौंपी गई है। अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा, 'इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसी से टक्कर खोल लेना नहीं, बल्कि आम नागरिकों की वास्तविक मदद करना है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कई नागरिकों को सरकारी योजनाओं, नीतियों

प्लॉट की दीवार गिरने पर विवाद, पड़ोसियों ने दंपती को पीटा

एजेंसी

नोएडा। और उसके आस-पास के ग्रामीण इलाकों में मामूली विवाद किस तरह खूनी संघर्ष का रूप ले लेते हैं, इसका एक ताजा और सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव हल्दौनी में प्लाट की गिरी हुई दीवार को लेकर उपजे विवाद ने विकराल रूप ले लिया। पड़ोसी द्वारा छोड़े गए गंदे पानी के कारण प्लॉट की दीवार गिरने का विरोध करना एक दंपती को इतना भारी पड़ा कि पड़ोसियों ने उन पर लाठी-डंडों और लोहे के सरियों से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित महिला की ओर से दो गई शिकायत के आधार पर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रार्थमिकी दर्ज कर ली है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना नोएडा के ग्रामीण क्षेत्र हल्दौनी गांव की है। गांव की रहने वाली रिजवाना नाम की महिला ने पुलिस को दी गई अपनी लिखित शिकायत में बताया कि घटना 2 अक्टूबर की है। उस दिन रिजवाना और उनके पति अपने स्वामित्व वाले प्लॉट का जायजा लेने के



लिए गांव में स्थित अपने भूखंड पर गए थे। प्लॉट पर पहुंचने के बाद उन्होंने देखा कि वहां स्थिति काफी खराब थी। उनके प्लॉट के ठीक बगल में रहने वाले पड़ोसी सलीम ने अपने घर का गंदा पानी लगातार उनके प्लॉट की ओर छोड़ रखा था। इस जलभराव और सीलन के कारण रिजवाना के प्लॉट की बाउंड्री वॉल (दीवार) पहले ही कमजोर होकर गिर चुकी थी, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा था। करने पर भड़के पड़ोसी, बोला हमला जब रिजवाना के पति ने इस गंभीर लापरवाही और नुकसान को देखते हुए पड़ोसी सलीम से शालीनतापूर्वक इस बारे में बात करनी चाही और गंद पानी रोकने का आग्रह किया, तो मामला सुलझने के बजाय और अधिक बिगड़ गया। आरोप है

कि पड़ोसी सलीम और उसके परिजन बातचीत से मसला हल करने के बजाय तुरंत आक्रामक हो गए। हथियारों से लैस होकर आए आरोपी: बातचीत के दौरान ही पड़ोसी सलीम, उसका बेटा फिरोज, आसिफ और राजा अचानक उग्र हो गए। ये सभी आरोपी हाथों में लाठी-डंडे और लोहे के सरिए लेकर मौके पर आ धमके। पति के साथ बर्बर मारपीट: आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और रिजवाना के पति को घेरकर उनके साथ लाठी-डंडों व सरियों से बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। इस अचानक हुए हमले में पति को गंभीर चोटें आईं। व्र्मी को भी नहीं बख्शा, बीच-बचाव करने पर फेंका जमीन पर अपने पति को लहलुहान और संकट में देखकर रिजवाना घबरा गई

सेवा भारती की 26 केंद्र संचालिकाओं ने लिया प्रशिक्षण

एजेंसी

नोएडा,। सेवा भारती मेरठ प्रांत की ओर से रविवार को राधा कृष्ण सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में केंद्र संचालिकाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सुबह नौ बजे से शाम 5:30 बजे तक चले प्रशिक्षण में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक सेवा से जुड़े केंद्रों की 26 संचालिकाओं ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में सेवा भारती के प्रांत मंत्री अखिल ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। इसके बाद नोएडा विभाग के संगठन मंत्री जतिन मिश्रा



ने पहले सत्र में सेवा से समाज परिवर्तन, पांच परिवर्तन और सेवा बस्ती में कार्यकताओं की भूमिका जैसे विषयों पर जानकारी दी। दूसरे सत्र में प्रांत शिक्षा आयाम प्रमुख मंजूषा देशमुख ने शिक्षा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन किया। तीसरे सत्र में सरिता सती ने विभिन्न कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। समापन सत्र में विभाग प्रचारक चिरंजीवी ने सेवा कार्य को ईश्वरीय कार्य

बंगाली समाज ने की कोजागरी लक्ष्मी पूजा

एजेंसी

नोएडा,। शरद पूर्णिमा पर रविवार को बंगाली समाज ने कोजागरी लक्ष्मी पूजा की। घरों और पूजा स्थलों को अल्पना से सजाकर मां लक्ष्मी की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने खीर, नारियल और मिठाइयों का भोग लगाया। साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सेक्टर-26 की नोएडा कालीबाड़ी, सेक्टर-34 की नोएडा बंगीय समिति, सेक्टर-55 की नवोदय पूजा समिति, सेक्टर-61 की बलाका समिति और सेक्टर-62 की सर्वोजनिन पूजा समिति में पूजा हुई। सेक्टर-25 की जलवायु विहार संस्कृति कल्याण समिति और सेक्टर-120 की पुर्बाब्धि बंगाली सांस्कृतिक समिति ने भी पूजा-अर्चना की। कोजागरी लक्ष्मी पूजा में बंगाली परंपराओं की झलक देखने को मिली। महिलाओं ने चावल के घोल से अल्पना बनाई। मुख्य द्वार से पूजा स्थल तक मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरे। मां की प्रतिमा और तस्वीर स्थापित कर दीपक, धूप, फूल, फल और मिठाइयां अर्पित की गईं। कई परिवारों में लक्ष्मी पंचाली का पाठ भी हुआ। दूध और चावल से बनी खीर का भोग लगाया गया। कुछ परिवारों ने खीर को चांदनी में रखने और रात में जागकर मां लक्ष्मी की आराधना करने की परंपरा निभाई। सेक्टर-55 निवासी अभिषेक ने बताया कि कोजागरी लक्ष्मी पूजा बंगाली परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है। इस दिन घर की साफ-सफाई कर अल्पना बनाई जाती है। मां लक्ष्मी की पूजा कर खीर का भोग लगाया जाता है। परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ यह पर्व परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी देता है। सेक्टर-62 निवासी देबोलिना रांय ने बताया कि अल्पना बनाना और मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरना बंगाली परंपरा का खास हिस्सा है।

गुणवत्ता उल्लंघन पर बीआईएस का शिकंजा, कई कंपनियों पर जुर्माना मुंबई ।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की देशव्यापी मुहिम के तहत महाराष्ट्र, केरल और ओडिशा की अदालतों ने अनियमित सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाली कई कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई घटिया उत्पादों के निर्माण और गुणवत्ता प्रमाणन में धोखाधड़ी रोकने के लिए की गई है। बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत इन कंपनियों पर लाखों रुपये के जुर्माने के साथ उत्पाद भी जब्त किए गए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में एक आयातक कंपनी पर 34 लाख रुपए, केरल में नकली आईएसआई मार्क वाले इस्पात के लिए 6 लाख रुपए का जुर्माना लगा। पैकेटबंद पेयजल पर अनधिकृत आईएसआई चिह्न और बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण बेचने पर भी दो से तीन लाख रुपये तक के जुर्माने किए गए। बीआईएस ने सभी विनिर्माताओं, आयातकों और खुदरा विक्रेताओं से गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्व्यूसीओ) और हॉलमार्किंग नियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। उल्लंघन पर भारी जुर्माना, सामान की जब्ती और कारावास तक की कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी ने भारत में नोकिया के साथ किया पांच साल का अनुबंध

नई दिल्ली ।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार को घोषणा की। बताया जा रहा है कि इस अनुबंध के तहत एलएंडटी नोकिया की सर्विसेज (एलटीटीएस) की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। हालां कि अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीटीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी। एलटीटीएस नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग के लिए भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी। इस सहयोग में अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद इंजीनियरिंग, नए उत्पादों का विकास, एम्बेडेड सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और निरंतर सहायता शामिल होगी।

नेपाल ने भारत को 3.9 करोड़ डॉलर की बिजली का निर्यात किया

काठमांडू ।

नेपाल ने मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर के बीच भारत को 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की बिजली का निर्यात किया। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के एक अे अधिकारी ने कहा कि अगस्त में अचानक बाढ़ के कारण आई मामूली बाधा के बाद इस अवधि के दौरान बिजली का निर्यात फिर से पटरी पर आ गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ऊपरी हिमालय में 26 अगस्त को बर्फ और चट्टान के खिसकने से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तहस-नहस कर दिया था। इस आपदा में लगभग 1,400 लोग मारे गए, जबकि 5,000 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।बाढ़ के दौरान घर, वाहन, सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि सीमा पर बिजली आपूर्ति का लगभग दो-तिहाई हिस्सा द्विपक्षीय समझौतों के तहत भारत को निर्यात किया गया।

महंगे मेवों ने बिगाड़ी दिवाली की मिठास, पिस्ता 60 फीसदी तक उछला

- अंतर्राष्ट्रीय तनाव से आपूर्ति बाधित; कारोबारियों और आम लोगों की बड़ी चिंता

नई दिल्ली । दिवाली की दस्तक के साथ ही सूखे मेवों की बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली के खारी बावली थोक बाजार में पिस्ता और बादाम जैसे प्रमुख मेवों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसका सीधा असर त्योहार के गिफ्ट पैक्स पर पड़ रहा है। इस महंगी ने पहले से तय बजट को हिला दिया है। इस बार दिवाली के मौके पर सूखे मेवों की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। थोक बाजार में पिस्ता करीब 40 फीसदी और खुदरा में 60 फीसदी तक महंगा हो गया है, जबकि बादाम के दाम भी 30 से 40 फीसदी बढ़ गए हैं। नतीजतन, दुकानदार बजट में गिफ्ट पैक तैयार करने के लिए पिस्ता को थाली से हटाने या उसकी मात्रा कम करने पर मजबूर हैं। कारोबारियों का कहना है कि त्योहारों के पीक सीजन में भी बिज्नी प्रभावित हो रही है और ग्राहक कम मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार की रौनक फीकी पड़ रही है।

वॉकी-टॉकी बिज्नी में बड़ी लापरवाही, 12 कंपनियों पर 58 लाख का जुर्माना

ग्राहकों को गुमराह करने पर सीसीपीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिज्नी में ग्राहकों को गुमराह करने और आवश्यक जानकारी न देने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने होगार टेक्नोलॉजीज सहित कुल 12 कंपनियों पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी बेचने वाली कंपनी

होगार टेक्नोलॉजीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी वेबसाइट पर उत्पाद लिस्टिंग में डिवाइस की रेडियो फ्रीक्ेंसी, लाइसेंस की आवश्यकता और आवश्यक अनुमोदनों की जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दी, जिससे उपभोक्ता यह मान सकते थे कि बिना अनुमति उपयोग कर सकते हैं, जबकि कुछ को लाइसेंस अनिवार्य है। होगार की दलीलें सीसीपीए ने खारिज कर दीं।

यह कार्रवाई केवल होगार तक सीमित नहीं

इस बंधूकर 327 रुपये तक पहुंच सकता है। इस संभावित घाटे की भरपाई के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। घरेलू एलपीजी की कीमतों में आखिरी बदलाव जून में 29 रुपये की बढ़ोतरी के साथ हुआ था, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतें इसी अक्टूबर में 62.50 रुपये बढ़ी थीं। हालांकि सोमवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव न होने से परिवारों को अस्थायी राहत मिली है। इसके बावजूद, होटलों और रेस्तरां जैसे व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतें काफी ऊंची बनी हुई हैं।

है। सीसीपीए ने ऑनलाइन वॉकी-टॉकी बिज्नी में जानकारी की कमी पर व्यापक जांच शुरू की। जांच में 16,970 से अधिक ऐसी लिस्टिंग मिलीं, जिनमें जरूरी जानकारी का अभाव था। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मिश्रो, मेटा सहित 13 ई-कॉमर्स को नोटिस जारी हुए, और अब तक 12 कंपनियों पर कुल 58 लाख रुपये का जुर्माना लगा। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मिश्रो और मेटा जैसे दिग्गजों पर 10-10 लाख रुपये, जबकि जियोमार्ट और होगार पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

त्योहारों के दौरान रसोई गैस की खपत में भारी वृद्धि होती है, जिससे यह परिवारों और व्यवसायों दोनों के बजट का एक अहम हिस्सा बन जाता है। वर्तमान में दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर 2,810 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन एचपीसीएल के बढ़ते घाटे को देखते हुए नवंबर में उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 482, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज इक्विटी बाजार में जोरदार बढ़त रही जिसके कारण प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी का रुख अपनाया, जिससे बाजार में रौनक लौटी।इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 482.92 अंक की बढ़त के साथ ही 73,606.75 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का

निफ्टी 153.20 अंक उछलकर

22,753.20 पर पहुंच गया। इस उछाल के कारण पिछले हफ्ते की गिरावट से निवेशकों कुछ हद तक उबर गये हैं। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में डॉ रेंडूजी लैक्स, बीएसई लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर और एटरनल शामिल रहे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। सेक्टरल मोचें पर भी सकारात्मक माहौल रहा। एफएमसीजी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरैबल्स को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरल सूचकांक तेजी पर बंद हुए। फार्मा, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में मजबूत तेजी दर्ज की गई, जबकि इंफ्रा, आईटी, प्राइवेट बैंक, एनर्जी

एलटीटीएस-नोकिया में पांच साल का रणनीतिक गठबंधन

नवाचार और उत्पाद विकास पर होगा जोर

नई दिल्ली (ईएमएस) । एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने सोमवार को दूरसंचार दिग्गज नोकिया के साथ पांच साल के एक रणनीतिक अनुबंध की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को मजबूत करना है, जिससे नवाचार और उत्पाद विकास को गति मिल सके। इस अनुबंध के तहत, एलटीटीएस अपनी इंजीनियरिंग क्षमताओं का उपयोग नोकिया की दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाओं में करेगा। एलटीटीएस नोकिया के लिए उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेगा। इसमें अनुसंधान एवं विकास, नए उत्पादों का विकास और एम्बेडेड सिस्टम भी शामिल हैं। कंपनी भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी, जो नोकिया की इंजीनियरिंग और आरएंडडी पहलों में निरंतर सहयोग प्रदान करेगा। हालांकि, अनुबंध के वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया है। नोकिया के इंजीनियरिंग के एक वरिष्ठ अे अधिकारी ने कहा कि भारत नोकिया के लिए नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और एलटीटीएस की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता इस रणनीतिक क्षेत्र में हमारी आरएंडडी गतिविधियों का विस्तार करने में मदद करेगी। एलटीटीएसमें रणनीतिक पहल के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष अलैंस सक्सेना ने इस रणनीतिक सहयोग को एलटीटीएस और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सरकार चार सरकारी बैंकों में घटाएगी हिस्सेदारी

सरकार ओएफएस के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटकर 75 फीसदी करने की योजना बना रही है। यह पहल बाजार नियामक सेबी के उस अनिवार्य नियम का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होना आवश्यक है। वर्तमान में इन चारों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 75 फीसदी से काफी अधिक है। नियामक के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए, सरकार ओएफ फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी। इसके अतिरिक्त, बैंक खुद भी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट जैसे तरीकों

का उपयोग करके

बाजार से फंड जुटा

सकते हैं, जो मुख्य रूप से संस्थागत खरीदारों के लिए होगा। बैंक-वार हिस्सेदारी घटना का विवरण इस प्रकार है-

- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सरकार की मौजूदा 81.19 फीसदी हिस्सेदारी को 75 फीसदी पर लाने के लिए लगभग 6.2 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी।
- यूको बैंक- इसमें सरकार की 90.95 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे 75 फीसदी के स्तर पर लाने के लिए करीब 16 फीसदी हिस्सेदारी कम करनी होगी। यह ओएफएस और क्यूआईपी दोनों तरीकों से हो सकता है।
- पंजाब एंड सिंध बैंक- यहां सरकार की

व्यापार

सेंसेक्स 482, निफ्टी 153 अंक उछला



और रियल्टी सेक्टर में भी बढ़त रही। व्यापक बाजारों में भी तेजी का रझान रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में बढ़त रही। आज बाजार की इस तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भी रही जिससे बाजार में उत्साह का माहौल रहा। इसके अलावा इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार ऊपर आया है। शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने

887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जो अक्टूबर के शुरुआती दिनों में भारतीय शेयरों से भारी निकासी कुल 48,056 करोड़ रुपये के बाद एक सकारात्मक संकेत था। वहीं इससे पहले आज सुबह अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर खुला। महंगे कच्चे तेल और ग्लोबल मार्केट में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में खुलेंगे तीन एनएफओ

पावर, रियल्टी और डेट सेक्टर में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

अक्टूबर का आखिरी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए विकल्प लेकर आ रहा है। इस दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, कोटक और यूटीआई म्यूचुअल फंड अपनी तीन नई स्कീमों (न्यू फंड ऑफर - एनएफओ) लॉन्च करेंगे। ये एनएफओ पावर, रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स पर केंद्रित हैं, जो निवेशकों को अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और रिटर्न की संभावनाओं के साथ निवेश का मौका देंगे। न्यूनतम 500 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है, लेकिन हर स्कीम की अपनी अनूठी रणनीति और जोखिम स्तर है, जिसे समझना जरूरी है।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर इंडीएफ-आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर इंडीएफ 26 से 30 अक्टूबर, 2026 तक खुला रहेगा। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक एनर्जी स्कीम है, जो बीएसई पावर टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखती है। न्यूनतम 1,000 रुपये के निवेश से शुरू होने वाली इस स्कीम में कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है, लेकिन रिस्कोमीटर पर इसे बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में रखा गया है। ट्रेडिंग एरर के कारण स्कीम का रिटर्न बेंचमार्क से अलग हो सकता है।
- कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड-इसी कड़ी में, कोटक म्यूचुअल फंड का कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड भी 26 अक्टूबर को खुलेगा और 9 नवंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम निफ्टी रियल्टी टीआरआई को ट्रेक करेगी और रियल एस्टेट

ग्लांस को एल कैटरटन से मिला निवेश, एजेंटिक कॉमर्स में नया मुकाम

- जियो समर्थित स्वदेशी एआई प्लेटफॉर्म ने उपभोक्ता केंद्रित निवेश कंपनी से जुटाई पूंजी

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्मस समर्थित स्वदेशी एआई एजेंटिक कॉमर्स मंच ग्लांस ने उपभोक्ता क्षेत्र पर केंद्रित वैश्विक निवेश कंपनी एल कैटरटन से नई इक्विटी शेयर जारी कर अधोषिप्त राशि जुटाई है। सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कंपनी ने इस निवेश को अपने अभिनव एजेंटिक शॉपिंग मॉडल की पुष्टि बताया, जो वाणिज्य के भविष्य को आकार देने पर केंद्रित है। इनमोबी और ग्लांस के एक वे रिरुद्ध अेधिकारी ने कहा, एल कैटरटन उपभोक्ता क्षेत्र की सबसे प्रतिष्ठित निवेश कर्पनियों में से एक है। ग्लांस में उसका निवेश हमारे बनाए खरीदारी मॉडल की पुष्टि करता है। हमारा मानना ​​है कि वाणिज्य का भविष्य खोज के दायरे से आगे बढ़कर एजेंटिक शॉपिंग की ओर जाएगा। एल कैटरटन के एक अेधिकारी ने कहा कि एजेंटिक कॉमर्स उपभोक्ताओं के उत्पादों को खोजने और खरीदने के तरीके में बुनियादी बदलाव ला रहा है, जिससे उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं जो खरीदारी की प्रक्रिया को अधिक व्यक्तिगत, सहज और आकर्षक बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्लांस इस बदलाव का लाभ उठाने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। ग्लांस ने काफी समय बाद यह नई पूंजी जुटाई है। कंपनी ने इससे पहले फरवरी 2022 में जियो प्लेटफॉर्मस से 20 करोड़ डॉलर और दिसंबर 2020 में गूगल तथा मिथिल कैपिटल से 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश प्राप्त किया था। एजेंटिक कॉमर्स से तालर्थ कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एजेंटों द्वारा उपभोक्ता की जरूरत के अनुसार खरीदारी में मदद करने से है।

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में खुलेंगे तीन एनएफओ

पावर, रियल्टी और डेट सेक्टर में निवेश का मौका



सेक्टर की कंपनियों में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश किया जा सकता है और यह भी बहुत ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में आता है, जिसमें ग्रोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विडड्राॅल (आईडीसीडब्ल्यू) विकल्प उपलब्ध हैं। 3. यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड- तीसरी पेशकश, यूटीआई म्यूचुअल फंड की यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज

डेट फंड, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2026 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध होगी। यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जिसका उद्देश्य फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर से जुड़ी संस्थाओं की डेट और मनी मार्केट सिक्योरिटीज में निवेश कर बेहतर रिटर्न देना है। न्यूनतम 500 रुपये से निवेश योग्य यह स्कीम मध्यम जोखिम की कैटेगरी में है, जो कम अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त हो सकती है।

रुपया पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर

- **रुपया शुक्रवार को 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपये की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि, अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा नियमन बाजार में रुपया 94.92 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह और कमजोर होकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे कम है। रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत फिसलकर 101.49 पर रहा।

म्युचुअल फंड में नए निवेशकों की रफ्तार सुस्त

एनएफओ से जुटाई रकम पांच साल के निचले स्तर पर



नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड उद्योग में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार लगातार दूसरे साल भी धीमी बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2026 में सितंबर तक, शेयर बाजारों में कमजोरी और नए फंड शुरू होने की गति में धीमेपन के बावजूद, इस उद्योग से केवल 44 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। यह कोविड से प्रभावित वर्ष 2020 के बाद से सबसे धीमी रफ्तार है, जब उद्योग में कुल 10 लाख नए निवेशक जुड़े थे। सितंबर 2026 के अंत में, उद्योग में पंजीकृत यूे निक फंड निवेशकों (पैन) की कुल संख्या 6.33 करोड़ थी। आमतौर पर फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि, साथ ही फोलियो और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) जैसे आंकड़े शेयर बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। 2021 और 2024 में जब शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई

थी, तब म्यूचुअल फंड कंपनियों ने लगभग एक-एक करोड़ नए निवेशक जोड़े थे। कोविड के बाद के बाकी वर्षों में यह संख्या लगभग 50-60 लाख रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में बढ़ोतरी भले ही कम लग रही हो, लेकिन यह उद्योग की औसत वृद्धि दर के काफी करीब है। बाजार का प्रदर्शन अहम पैमाना है, लेकिन नए निवेशकों का जुड़ना म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा लॉन्च किए जाने वाले नए फंडों पर भी निर्भर करता है। पिछले दो वर्षों में नए फंड लॉन्च करने की संख्या और उनमें निवेशकों की रुचि दोनों में नए पैसे दिखे हैं। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में नए फंड ऑफरिंग (एनएफओ) से मिलने वाली रकम गिरकर पांच साल के निचले स्तर, लगभग 1,759 करोड़ रुपये पर आ गई है। कड़े नियमों के कारण थीमैटिक फंड लॉन्च कम हो गए हैं, जो पहले बड़ी संख्या में नए पैसे निवेशकों को आकर्षित करते थे। इस प्रकार, नए फंड लॉन्च करना जो पहले निवेशकों को जोड़ने का सबसे प्रभावी जरिया रहा है, अब काफी सुस्त पड़ गया है।

एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



उमेश चतुर्वेदी

बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालाकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी मासूम खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। दुनिया की उदार से उदार समझी जाने वाली शायद ही कोई सरकार होती, जो अपनी संसद में उपद्रवियों को घुसने की राह देती। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब सिर्फ ना है। भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को शॉक ऑब्जर्वर के रूप में देखा जाता है। मर्यादित आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों के जरिए लोकतांत्रिक समाज अपने गुस्से का इजहार करता रहा है। समझदार सरकारें भी सीमित और मर्यादित आंदोलनों को लोगों के गुस्से की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में लेती रही हैं। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि



लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकारी तंत्र संयमित रहा। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के

खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कर्नाट प्लेस

यूरोपीय देशों में हिंसक आंदोलन के पीछे कौन है?



मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश से शुरू हुआ , जिसे उग्र वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है।यह भी सामने आया है कि इन देशों में आसान आब्रजन नियमों का फायदा उठा चुस आए प्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक-आर्थिक कारण, स्थानीय जनक्रोश का कई



सौरभ वार्ष्णेय

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित ‘वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है। विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबर्स तथा डिजिटल प्रकाशकों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग

बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं उहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारे और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य

हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे। इस आंदोलन के बीच यूट्यूबर्स और स्वतंत्र डिजिटल प्रकाशकों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है। आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं। इसलिए डिजिटल माध्यमों से उठने वाली आवाजों को केवल उनकी राजनीतिक पसंद के आधार पर खारिज करना उचित नहीं है। उनकी सामग्री की जांच तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। स्वतंत्र पत्रकारिता का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह सत्ता से भी सवाल पूछे और विपक्ष के दावों की भी निष्पक्ष पड़ताल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने युवाओं के सामने विकास, रोजगार, अवसरों और बेहतर भविष्य की उम्मीदें रखी थीं। आज युवाओं का एक वर्ग रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, महंगाई, शिक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे सवालों को लेकर मुश्कूर दिखाई देता है। ऐसे में किसी भी आंदोलन में युवाओं की भागीदारी को केवल राजनीतिक दलों के प्रभाव का परिणाम मान लेना अधूरा विश्लेषण होगा। युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बड़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में

पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है। सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियों पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे। लोकतांत्रिक सरकार की ताकत केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि आलोचना सुनने और जनता के भरोसे को बनाए रखने में भी होती है। वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। यदि आरोपों में दम है, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो संबंधित संस्थाओं को स्पष्ट और विश्वसनीय तथ्यों के माध्यम से स्थिति सामने रखनी चाहिए। दोनों ही परिस्थितियों में जनता को भरोसेमंद जवाब मिलना जरूरी है। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं। सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना होगा। विपक्ष को भी अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना होगा। वहीं स्वतंत्र पत्रकारों और आंदोलनकारियों की जिम्मेदारी है कि वे सत्यता, शांति और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें। आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है। यदि सरकार, विपक्ष और संवैधानिक संस्थाएं इस मूल भावना को समझें, तो आंदोलन टकराव का कारण बनने के बजाय व्यवस्था में सुधार का अवसर बन सकता है। जनता को न केवल अपने मताधिकार की सुरक्षा का भरोसा चाहिए, बल्कि यह विश्वास भी चाहिए कि उसकी आवाज सत्ता तक पहुंच सकती है और उसके सवालों का जवाब मिलेगा। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका मध्यावधि चुनाव: गैर-अमेरिकी मतदाताओं की पहचान पर गरमाई राजनीति, 20 हजार डाक मतपत्रों पर भी विवाद

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया की सभी काउंटियों के चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर मतदाता सूची में शामिल संभावित गैर-अमेरिकी नागरिकों की पहचान करने और उनके डाक मतपत्र अलग रखने की मांग की है। शुक्रवार को भेजे गए इन पत्रों में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों को संघीय स्तर पर कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है। यह कार्रवाई 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव से करीब डेढ़ सप्ताह पहले की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन देश के अलग-अलग राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के मतदान की जांच के लिए अभियान चला रहा है। हालांकि, कई राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में शामिल होने या मतदान करने के दावों पर सवाल उठे हैं। कैलिफोर्निया में चुनाव के लिए डाक मतपत्रों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इसमें 20 हजार से अधिक डाक मतपत्रों की गिनती अस्थायी रूप से रोकने की मांग की गई थी।

इसाइल चुनाव 2026: ईरान से गाजा तक सख्त सैन्य कार्रवाई के दम पर वोट मांग रहे नेतन्याहू, दाव पर सियासी साख

तेल अवीव, एजेंसी। इसाइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सियासी छवि बदलने की हरसंभव कोशिश की है। पहले खुद को सुरक्षा और स्थिरता का भरोसेमंद नेता बताते थे। अब सख्त सैन्य कार्रवाई व दुश्मनों के खिलाफ आक्रामक रुख को अपनी पहचान बना रहे हैं। दरअसल, चुनाव से पहले उनका लक्ष्य मतदाताओं को यह भरोसा दिलाना है कि देश की सुरक्षा के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। नेतन्याहू (77) इसाइल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। वे अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे देश में समर्थन जुटा रहे हैं, जो युद्ध, राजनीतिक धुंधीकरण और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता से गुजर रहा है। दरअसल, 7 अक्टूबर 2023 को हमरास के हमले ने नेतन्याहू की मिस्टर सिक्वोरिटी वाली छवि को बड़ा झटका दिया था। उसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। हमले से पहले नेतन्याहू को ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जो बड़े सैन्य ठेकराव से बचते थे। उनकी सुरक्षा नीति सीमित अवधि के युद्ध और रक्षात्मक कार्रवाई पर केंद्रित थी। लेकिन 7 अक्टूबर के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। इसाइल ने गाजा में हमरास, लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने इसे दुश्मनों को कमजोर करने और इसाइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की रणनीति बताया।

कार्बन पर बदले बोल: अब गोयल ने कहा- पर्यावरण बचाने में यूरोप आगे, बिगाड़ने में सब जिम्मेदार नहीं

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। जलवायु बिगाड़ने का जिम्मेदार कौन है, ओजोन परत को किसने नुकसान पहुंचाया और आसमान में इतना कार्बन किसने भेजा बर्लिन ग्लोबल डायलॉग के मंच से बुधस्पतिवार को यह तीखा सवाल उछलने वाले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीपूष गोयल शुक्रवार को यूरोप का शुक्रिया अदा करते दिखे। दौर के समापन पर उन्होंने कहा कि कल जो कहा वह तथ्य था, पर यह भी सच है कि पर्यावरण के मामले में यूरोप बहुत से देशों से आगे है और भारत के साथ उसकी साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। सवाल की धार और शुक्रिया की मिठास, बर्लिन में भारत की कूटनीति के दोनों रंग एक साथ दिखे। बुधस्पतिवार को संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद गोयल ने पृष्ठा के कार्बन किसने भेजा, तो साथ बैठ एक वक्ताने कहा, हम सभी ने। गोयल ने तुरंत टोका, नहीं, माफ कीजिए। उन्होंने याद दिलाया कि दुनिया की 17 फीसदी आबादी वाला भारत वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में तीन फीसदी से भी कम हिस्सेदार है। उन्होंने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते में तय हुआ था कि दशकों तक जलवायु बिगाड़कर फल चखने वाले विकसित देश ज्यादा कीमत चुकाएंगे और विकासशील देशों की मदद करेंगे, पर 11 साल बाद भी एक पाई नहीं दिखी, सब वादे ही वादे हैं। गोयल ने कहा कि यूरोप ने सस्ती ऊर्जा के लिए दिन-रात कोयला जलाया, अपने विकास के लिए यह उनकी मजबूरी रही होगी, पर समस्या वहीं से शुरू हुई। शुक्रवार को सुर सुनिश्चित था। गोयल ने कहा कि पेरिस समझौते के बाद भारत ने अपने लक्ष्य समय से पहले पार किए हैं और यूरोप इसकी कद्र करता है।

अमेरिका ने किया हमला तो समुद्र के नीचे बिछी तारें काट देगा ईरान, दुनिया के लिए होगा कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच आठ महीने पहले शुरू हुआ संघर्ष फिलहाल थमा हुआ है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की आहट के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर फिर हमले की कोशिश नहीं हुई है। हालांकि, ट्रंप बार-बार तेहरान और उसके नेतृत्व को खत्म करने की धमकियां दी हैं। नतीजतन जहां एक तरफ कच्चे तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही हैं, वहीं होमुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाली अहम संसाधनों की आपूर्ति भी थमी हुई है। अब इस बीच ईरान ने अमेरिका पर पलटवार किया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका का एक और हमला होता

है तो उसने एक ऐसी योजना बनाई है, जिससे पूरी दुनिया के इंटरनेट पर अस्तर पड़ सकता है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ईरान ने फारस की खाड़ी में अंडरसी केबल यानी समुद्र के नीचे बिछे संचार और इंटरनेट केबल्स को निशाना बनाने की विस्तृत योजना तैयार की है। केबल्स को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ ईरान हमलों के बाद उनकी मरम्मत की कोशिशों को भी रोकने की कोशिश करेगा, ताकि वैश्विक और क्षेत्रीय इंटरनेट व संचार में लंबे समय तक दिक्कतें बनी रहें। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी है कि खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका से जुड़े



डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे डेटा सेंटर और एआई सुविधाओं को भी निशाना बनाया जा सकता है। ईरानी सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अगर उन पर हमला हुआ तो पलटवार की कोई सीमा नहीं रहेगी। समुद्र के नीचे के केबल्स से लेकर अमेरिका के गुप्त सैन्य ठिकानों तक को निशाना बनाया जाएगा।

विदेश

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी; फ्रांस, इटली, स्पेन से ब्रसेल्स तक कैसा मंजर



पर विरोध दर्ज कराय़ा। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए मशहूर मिलान में ओमेगा, टिफ़नी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बूटीक दुकानों को सामने की खिड़कियों को बंद करना पड़ा। एम्पल स्टोर भी बंद रहा। हालात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े ब्रांड्स के आउटलेट बंद दिखे। दरअसल, पिछले सप्ताह के अंत आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्पीकर्स, स्पोर्ट्स वियर और खेल के सामान को निशाना बनाया था।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा : इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और

पियाजा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन गार्डों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सौ छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धुर-दक्षिणपंथी छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकाडों पोजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्रों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया

सऊदी और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज, रियाद समेत कई शहरों पर मिसाइल-ड्रोन हमले; सना में 8 की मौत

दुबई, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच संघर्ष तेज हो गया है। हूती लड़ाकों ने शनिवार को सऊदी अरब के कई शहरों में मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। इसके जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर भीषण हवाई हमले किए। इन हमलों में कई लोगों के हताहत होने की खबर है।

हूती सैन्य प्रबक्ता याह्या सरिया ने बयान जारी कर कहा कि संगठन ने शनिवार को सात मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इनका निशाना सऊदी अरब के रियाद, यानबू, रबीग, दम्माम, नजरन और खमीस मुशैत शहरों में स्थित एयरपोर्ट, तेल प्रतिष्ठान और एक सैन्य अड्डा थे। सरिया के मुताबिक, रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो चरणों में निशाना बनाया गया।



इसके अलावा यानबू में सऊदी अरामको के प्रलिप्टानों और दम्माम में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमले किए गए।

सऊदी गठबंधन ने कई मिसाइलें मार गिराने का किया दावा : सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद, ताहफ और यानबू शहरों की तरफ दागी गई कई मिसाइलों को रोककर नष्ट

ईरान पर कभी भी बरस सकते हैं अमेरिकी बम: डोनाल्ड ट्रंप बोले- कल हो सकता है हमला, डील का रास्ता भी खुला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर जल्द हमला कर सकता है। हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच बड़े समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। फ्लोरिडा में मिडटर्म चुनाव के लिए वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमला कल भी हो सकता है। लेकिन यह भी संभव है कि दोनों देश किसी अच्छे समझौते पर पहुंच जाएं।

ईरान पर हमले से जुड़े सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि क्या किसी को लगता है कि वह पहले से बता देंगे कि आगे क्या करने वाले हैं उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या वह समझौते की शर्तों पर कायम रहेगा। उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई और बातचीत, दोनों विकल्प खुले रखे हैं। ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपनी सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए अमेरिकी नौसेना और सेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया है और उसके 259 जहाज समुद्र में डुबो दिए गए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान अफगानिस्तान में हथौड़े जैसी समस्याओं से जूझ रहा



है। हालांकि, ये आंकड़े और दावे ट्रंप के बयान पर आधारित हैं।

ईरान ने प्रस्ताव की खबरों को नकारा : इस बीच, ईरान से जुड़ी तस्नीम समाचार एजेंसी ने दावा किया कि तेहरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के सामने कोई नया प्रस्ताव नहीं रखा है। ईरान ने उस कथित प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने के बदले होमुज जलडमरूमध्य खोलने की बात कही गई थी। प्रेस टीवी के मुताबिक, ईरानी सूत्रों ने सऊदी अरब के एक मीडिया पत्रकार को इस खबर को झूठा और मनगढ़ंत बताया। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इसका समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार करेगा। अमेरिकी राजनीति पर बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शहरों और राज्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने इस बयान के दौरान कोई विस्तृत सबूत पेश नहीं किया।

यूक्रेन और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज, रियाद समेत कई शहरों पर मिसाइल-ड्रोन हमले; सना में 8 की मौत

कर दिया। इसके अलावा पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को भी मार गिराया गया। सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि राकी गई दो मिसाइलों का मलबा मक्का और मदीना क्षेत्रों में गिरा। इसके बाद हूती संगठन ने इन दोनों पवित्र शहरों को निशाना बनाने के आरोपों से इनकार किया। संगठन ने इन दावों को 'झूठा और बेबुनियाद' बताया। हूती संगठन ने दावा किया कि शनिवार को किए गए हमले यमन में उसके नियंत्रण वाले इलाकों पर पिछले 24 घंटे में हुए करीब 100 सऊदी हवाई हमलों के जवाब में किए गए। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में यमन की राजधानी सना और दक्षिण-पश्चिमी ताइज वाले लाल सागर स्थित बंदरगाह शहर मोखा को भी निशाना बनाया गया। हूती लड़ाकों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने हवाई हमलों

में कई लोगों के हताहत होने की खबर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, सना प्रांत के हमदान जिले में सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारियों के आवास पर हवाई हमला हुआ। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। ये हमले ऐसे समय हुए हैं, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार की सेनाओं ने सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से हूती लड़ाकों के खिलाफ अपना सैन्य अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान को 'डॉन ऑफ यमन' नाम दिया गया है। इसके जवाब में हूती संगठन मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

सरिया ने एक अलग बयान में दावा किया कि हूती बलों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में अल-नस्र शिखिर और एक नौसैनिक सैन्य अड्डे पर सऊदी समर्थित सैन्य जमावड़े को निशाना बनाया।

यूक्रेन ने किया स्टारलैंक की ताकत का गलत इस्तेमाल: मस्क के आरोप से मचा बवाल

कौव, एजेंसी। अमेरिकी उद्योगपति और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना स्टारलैंक का इस्तेमाल ऐसे ड्रोन हमलों के लिए कर रही थी, जिनका मकसद लोगों की जान लेना था। उन्होंने कहा कि यह स्टारलैंक की सेवा की शर्तों के खिलाफ है और इस सुविधा में मौजूद खामों को पिछले हफ्ते ही दूर कर दिया गया। मस्क के मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल इस तरह के हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की रक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद जरूरी है।

स्टारलैंक के इस्तेमाल पर मस्क ने उठाए सवाल : मस्क ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्टारलैंक को आम लोगों और संस्थानों की संचार जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इसका इस्तेमाल आक्रामक ड्रोन हमलों में करना सही नहीं है। उनके अनुसार, यूक्रेनी सेना ने सेवा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए किया। मस्क ने दावा किया कि इस गड़बड़ी को पिछले सप्ताह ठीक कर दिया गया है।

स्टारलैंक और स्टारशील्ड में क्या है अंतर : मस्क ने स्टारलैंक और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा

कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क की इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। **यूक्रेन की रक्षा में स्टारलैंक की अहम भूमिका** : मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद महत्वपूर्ण है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संचार माध्यम है, जिसे जाम करना या पूरी तरह नष्ट करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन में स्टारलैंक की सेवा बंद हो जाए, तो वहां की सेना की अग्रिम मोर्चे पर स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मस्क ने यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती दिनों में रूस ने यूक्रेन के संचार नेटवर्क को निशाना बनाया था। ऐसे समय में स्टारलैंक ने यूक्रेन को आपसी संपर्क बनाए रखने में मदद की थी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उसका व्यावहारिक समाधान नहीं बताते। मस्क ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों से सख्त नफरत है, जो लगातार खून-खराबे को बढ़ावा देते हैं। उनकी इस टिप्पणी से साफ है कि वह युद्ध को लेकर अपनी पुगुनी विरोधी राय पर कायम हैं। मस्क ने शुक्रवार को एक और दावा करते हुए कहा कि रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक मदद का कुछ हिस्सा कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से अमेरिका वापस पहुंचाया जा रहा है।

जानकारी



एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ग्रीन कॉफी से साफ हो जाती है लिवर की गंदगी

अगर आप पिछले कुछ वर्षों से खुद को फिट रखने के लिए ग्रीन-टी या ब्लैक कॉफी पी रहे हैं तो अब समय है कुछ बदलाव करने का। ग्रीन-टी हो या ब्लैक कॉफी इन्हें छोड़कर अपनाइए ग्रीन कॉफी। यह सेहत को ठीक रखती है और वजन कम करने में भी सहायक है। ग्रीन कॉफी धीरे-धीरे हेल्थ और फिटनेस के बाजार में अपनी जगह बना रही है। इसके फायदों ने तो ग्रीन-टी को भी पीछे छोड़ दिया। वैसे बता दें कि ग्रीन-टी की ही तरह ग्रीन कॉफी में भी भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स हैं। यह वजन को तेजी से कम करने में सहायक है। खबरों के अनुसार इसके नियमित सेवन और बिना एक्सरसाइज के आप अपना वजन 10 किलो तक कम कर सकते हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, इस लेख में इस संबंध में बताया जा रहा है। ग्रीन कॉफी बीन्स को प्राकृतिक डिटॉक्स का एक रूप माना गया है। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल, अतिरिक्त फैट और लिवर से जीवाणु बाहर निकल जाते हैं, जिससे यह सही तरह से काम करता है और इसी से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

जरूरी टिप्स

कॉफी के अलावा अपनी डाइट में पोषक तत्वों से भरपूर फ्रूट्स शामिल करें, जैसे- फल, सब्जी, नट्स, सीइस और लीन मीट खाएं। डाइट फॉलो करते समय अगर आपको पावन संबंधी परेशानियां, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत हो रही है तो फिर न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें और सही डाइट प्लान बनावाएं। ध्यान दें कि हर 2 कॉफी के बीच में कम से कम 2-3 घंटे का अंतर रखें। शाम 5 के बाद कॉफी न पिएं। सोने से ठीक पहले इसका सेवन न करें, इससे अनिद्रा और वजन बढ़ सकता है।

क्या है ग्रीन कॉफी बीन्स?

कॉफी के पौधे से हरे रंग के बीजों को लेकर पहले उन्हें रोस्ट किया जाता है। फिर इसे पीसकर कॉफी बनाई जाती है। इस प्रक्रिया से कॉफी का रंग हरा से बदलकर हलका या गहरा भूरा हो जाता है और स्वाद भी बद जाता है, लेकिन कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुणकारी तत्व खत्म हो जाते हैं।

को सुबह खाली पेट पिएं। इस समय पीने से इसका असर तेजी से होता है। दोपहर से आधा घंटा पहले या फिर खाने के एक घंटे बाद ही इसे पिएं। पेट खराब है तो इसका सेवन न करें। अगर ग्लूकोमा है तो इसके सेवन से बचें।

ग्रीन कॉफी बनाने के तरीके

पहला तरीका

एक टीस्पून ग्रीन कॉफी बीन्स को रात भर 1 ग्लास पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को ग्रीन टी या कॉफी की तरह उबालें। इसमें शुरुआत में शहद मिला सकते हैं, लेकिन बाद में इसे फीका ही पीना शुरू करें, तभी आपको इसका फायदा मिलेगा।

दूसरा तरीका

ग्रीन कॉफी बीन्स को थोड़ी देर धूप में रखें। ग्राइंडर में बारीक पीस लें। इस पाउडर को तेज उबलते पानी में 2 मिनट तक बॉयल कर छानकर पिएं।

सही समय पर पीना जरूरी

इसे डाइट का हिस्सा बनाने से पहले यह समझ लें कि ऐसा न करें कि जब मन किया तभी इसे पी लिया, जो सही नहीं है। ग्रीन कॉफी को सुबह खाली पेट पिएं। इस समय पीने से इसका असर तेजी से होता है। दोपहर से आधा घंटा पहले या फिर खाने के एक घंटे बाद ही इसे पिएं। पेट खराब है तो इसका सेवन न करें। अगर ग्लूकोमा है तो इसके सेवन से बचें।

लेफ्टी या राइट्टी: कौन से लोग होते हैं ज्यादा बेहतर?

पश्चिमी देशों में केवल 10 फीसदी ही लोग लेफ्टी यानी बाएं हाथ से काम करना पसंद करते हैं। इसके साथ ही अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग हाथों का प्रयोग करने वाले या समान कौशल के साथ दोनों हाथों का उपयोग करने वाले लोग असामान्य हैं। अगर आप भी लेफ्टी हैं या राइट्टी हैं तो यह खबर आपके लिए है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर से पर्दा उठाया है कि इन दोनों में से कौन से लोग अधिक बेहतर होते हैं?

वैज्ञानिक लंबे अरसे से जानते हैं कि हैंड्डेनस (दाएं और बाएं हाथ का प्रयोग करने वाले लोग) आंशिक रूप से जीन द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, लेकिन 2019 तक उन्होंने लेफ्ट और राइट हैंड्स के डीएनए के भागों में अंतर नहीं पहचाना था। अध्ययन में पाया गया कि लेफ्टी लोगों के मस्तिष्क का दाहिना और बायां हिस्सा एक के साथ एक मिलकर बेहतर तरीके से काम करता है। यह दोनों हिस्से भाषा के कार्य की प्रक्रिया को चलाने का काम करते हैं, लेकिन अभी इस बात की तसदीक नहीं हो पाई है कि क्या लेफ्ट हैंड्स राइट हैंड्स के मुकाबले अधिक धाराप्रवाह तरीके से बोलने में सक्षम होते हैं। अध्ययन में यह भी बात सामने आई है कि लेफ्ट हैंड्स छात्र स्कूल में अधिक संघर्ष करते हैं और उनमें ऑटिज्म डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्ऑर्डर (ADHD)के लक्षण पाए जाते हैं। यह बात उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच हो सकती है, जो काम करते वक्त दोनों हाथों का प्रयोग करते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि वे बच्चे, जो बार-बार अपने दोनों हाथ आगे-पीछे करते रहते हैं, उनमें डिस्लेक्सिया होने की संभावना भी दोगुनी हो जाती है। हालांकि शोधकर्ता अभी इस बात का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन उन्हें संदेह है कि दोनों हाथों का प्रयोग करने वाले लोग जब ज्यादा बार एक ही हाथ का प्रयोग करते हैं तो उनमें निरंतर लेफ्ट हैंड का प्रयोग करने वालों की तुलना में ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ती है।



क्या लेफ्टी होते हैं ज्यादातर सुपीरियर?

आपके मस्तिष्क का दाहिना हिस्सा आपके शरीर के बाएं हिस्से की मांसपेशियों को कंट्रोल करता है और काफी हद तक आपकी संगीत और स्थानिक क्षमताओं को बढ़ाता है। यही कारण है कि लेफ्ट हैंड्स लोग अवसर रचनात्मक प्रोफेशन का हिस्सा होते हैं। मिरर राइटिंग, जिसमें अक्षर पलट जाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ से लिखा जाता है यह लगभग लेफ्ट हैंड वाले लोग ही कर पाते हैं। कुछ अध्ययनों में यह बताया गया है कि लेफ्ट हैंड वाले बच्चे मुंह से पृष्ठे गए सवालों में अधिक अंक लाते हैं। जबकि कुछ अध्ययन में यह गलत पाया गया है।

इतिहास राइट्टी को मानता है शक्तिशाली

विज्ञान भले ही लेफ्टी को सुपीरियर मानता हो, लेकिन साहित्य लेफ्ट हैंड्स के हमेशा खिलाफ रहा है। मध्य युग में दानवों को लेफ्टी माना जाता था। जापान, चीन और अन्य एशियाई देशों में लेफ्ट हैंड्स की संख्या पश्चिमी देशों के मुकाबले बहुत कम है। 1900 की शुरुआत में अमेरिकी शिक्षकों और डॉक्टरों का मानना था कि लेफ्ट हैंड्स में मानसिक विकारों से ग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है और इसलिए वहां छात्रों को सीधे हाथ के बजाए उल्टे हाथ का प्रयोग करने के लिए कहा जाता था।

टाईम पास

आज का राशिफल



चू चे घो ला ली
लू ले लो आ

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासो न बनें। शुभांक-5-7-9



का की कू घ ड
छ के को हा

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें वर्य के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुण्ये मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8



मा मी नू मे नो
रा टी दू टे

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में असम्यक्ता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। शुभांक-5-7-9



रा टी रु टे रो
ता टी तू ते

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुण्ये मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अशुभद्वय भी होगा और प्रसन्नताएँ भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8



ये घो गा मी भू
घा फा छा मे

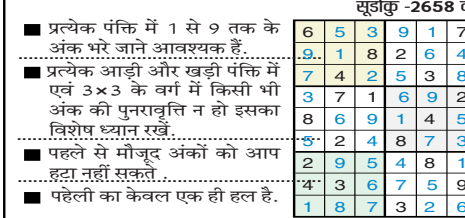
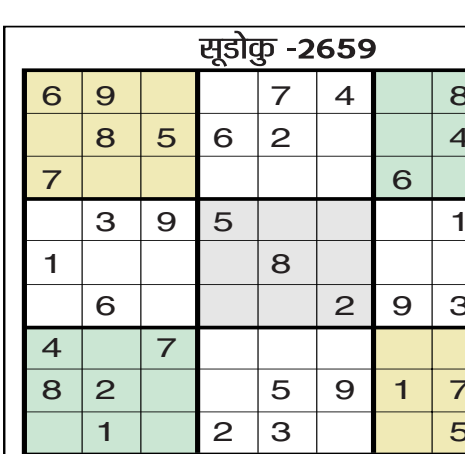
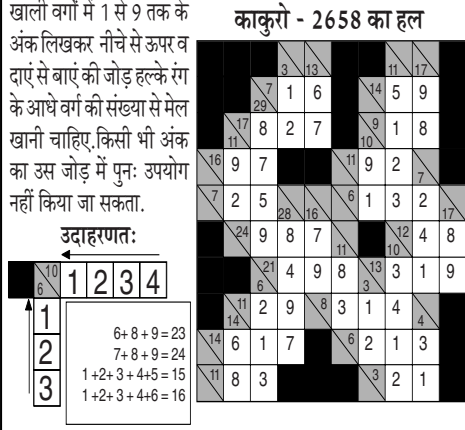
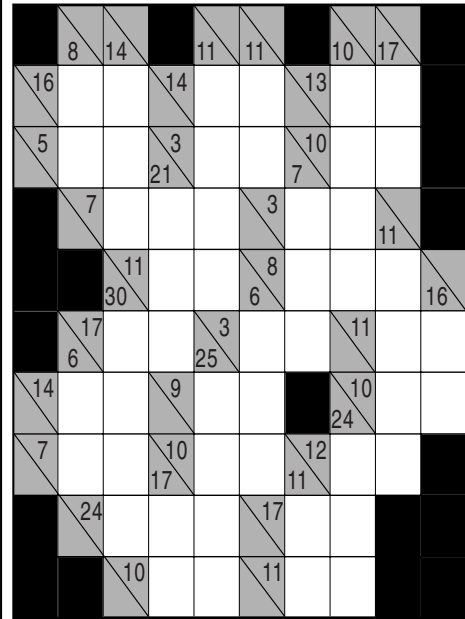
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियाँ पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएँ कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7



नू जो गो सा
ली सू से सो वा

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाए। विव्यस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आहुतियों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। सतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2659



हंसी के फूट्वाटें

दारोगा (रमेश से) - जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था? रमेश (दारोगा से) - हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे. दारोगा (रमेश से) - अरे मैं घड़ी का पूछ रहा हूं उसमें कितना बजा था? रमेश (दारोगा से) - साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई. महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बाँस एक डॉक्टर है. संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बाँस में? महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे. पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?' दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

राम (मोहन से) - क्या कर रहे हो? मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं. राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता. मोहन (राम से) - तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

1	2	3	4	5
	6	7	8	
9	10	11		12
14			15	
		16		17
18	19		20	21
22		23		
	24		25	
	26	27	28	29
30		31		32

बायें से दायें:-

- बसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
- राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
- 'नौद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
- राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
- 'कहना है जो दिल से कहे' गीत वाली फिल्म-४
- संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
- 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
- अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
- 'कुछ लोग यहीं पर ऐसे हैं' गीत वाली फिल्म-४
- मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
- 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
- संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
- 'ओ रूपदार के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
- अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
- 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
- सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
- 'दिल जंगली कद्दूत' गीत वाली फिल्म-३
- अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
- 'शम्माए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
- अमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
- 'लगन लागी मन को लगन' गीत वाली फिल्म-२
- 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
- शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

- ऋषि, अमिल, श्रोदेवी की फिल्म-४
- 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
- फिल्म 'मि. बाण्डे' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
- जीतेन्द्र, गैना राय, गमेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
- 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अश्वद वाससी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
- सुष्मिता की पहली फिल्म 2-३
- 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
- विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हें' गीत वाली फिल्म-३
- 'जीना तेरी बेहो' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
- प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
- 'नजर के सामने ज़िगर' गीत वाली गहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
- ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'दपली वाले दपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
- 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, खोना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
- गर्जेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
- 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
- सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सांस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

य	स	ब	स	र	फ	जे	अ
ह	क	ह	ह	व	र	फ	जे
ठी	प	दे	व	खे	र	अ	अं
ल	हे	स	हे	ली	र	ज	
ख	की	औ	र	ग	अं	ज	लि
मो	स	र	ग	म	पू		
अ	र	फ	त	प्रि	य	त	मा
		र	मि	ली	अ	ई	
ये	टी	सू	ल	रं	खे	ल	
न	म	न	म	की	न	व	

ऊपर से नीचे

- बादलों की गुड़गुड़ाहट-4
- तरणाई, लड़कपन-3
- सहायता, आधार-3
- बोताना, यापन करना-4
- दिखावा, पाखंड-4
- जरूरत, स्वार्थ-3
- राजी करना-3
- योग्य-3
- मसलना-3
- इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
- सुगंध, लास-3
- रोकड़ राशि-3
- रुक्ना, स्थिर होना-3
- विजय दशमी-4
- भोर, सवेरा-3

शब्द पहेली -2658 का हल

अ	नि	आ	व	श्व	क	का	र	का	न
ख	ल	र	म	छ	ली	र	मा		
अ	र	मा	न	ब	द	र	मा		
म	न	म	म	म	म	म	म	म	म
र	ज	व	प	ट	क	र	म	ज	ल
म	न	म	म	म	म	म	म	म	म
न	न	न	न	न	न	न	न	न	न
ल	प	म	न	म	म	म	म	म	म
का	का	न	व	ग	ग	ग	ग	ग	ग
न	म	न	म	न	म	न	म	न	म

दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर उठा धुआं, वेल्लिंग के दौरान एसी बॉयलर में लगी आग

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर सोमवार सुबह अचानक धुआं उठने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा ने 6 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 11-10 बजे नॉर्थ ब्लॉक से धुआं उठने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि इमारत की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था। तभी वेल्लिंग करते समय शॉर्ट सर्किट होने से एसी बॉयलर में आग लग गई। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। आपदाकालीन टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। संसद भवन के नजदीक स्थित इस इमारत से धुआं उठने की सूचना के बाद संबंधित एजेंसियां सतर्क हो गईं। फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

यूपी में भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष से गठबंधन को तैयार ओवैसी

कैराना । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के साझा उद्देश्य के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है। रविवार को शामली जिले के कैराना में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहते। सांसद ओवैसी ने कहा कि यदि अन्य विपक्षी दल भी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के उद्देश्य से काम करना चाहते हैं, तो उनकी पार्टी सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठाने का आरोप लगाया। एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश में मस्जिदों को गिराए जाने और कथित ‘हाफ एनकाउंटर’ जैसी घटनाओं पर विपक्ष पर्याप्त आवाज नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों की समस्याओं पर गंभीरता से काम करना चाहिए। ओवैसी के बयान को उत्तर प्रदेश में आगामी राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने किसी दल के साथ गठबंधन को लेकर औपचारिक घोषणा नहीं की।

सुवेंदु ने सीजेपी पर साधा निशाना और बोले- लोग पीएम मोदी के साथ खड़े हों

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में खड़े होने की अपील की। उन्होंने कॉकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर निशाना साधते हुए उसे ‘दिमागी नक्सल’ और ‘टुकड़े-टुकड़े गैंग’ जैसे शब्दों से संबोधित किया। अधिकारी की यह टिप्पणी सीजेपी पर उनके लगातार हमलों के बीच आई है। एक दिन पहले उन्होंने संगठन के कथित प्रभाव की तुलना कीटों और कोरोना वायरस के प्रसार से की थी। अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के रामनगर में एक कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रवाद की भावना विकसित करने के लिए हर साल भाषण, प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को देश की संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं।

अगर हिम्मत है, तो राजनीतिक रूप से मुकाबला करो, हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं

-पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी और प्रशासनिक तंत्र पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में तनाव एक बार फिर अपने चरम पर है। पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बीजेपी और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोलकाता में बनर्जी ने कहा कि राज्य में पिछले कुछ दिनों से पुलिसिया अत्याचार और प्रशासनिक दबाव बढ़ गया है, जिसके जरिए टीएमसी कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को डराया-धमकाया जा रहा है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों और सत्ताधारी खेमे के बीच एकरारका माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कल से पुलिस का अत्याचार बहुत बढ़ गया है। आयोग ने हमसे सभी दस्तावेज जमा करने को कहा है। लोगों को जिलाधिकारियों, बीडीओ, थाना प्रभारियों और एसपी के जरिए धमकाया जा रहा है। सरकार उन्हें कानूनी कागजात, स्टाम्प पेपर और नोटरीकृत हलफनामे मुहैया करा रही है,



जबकि हमारे लिए हर रास्ता बंद कर दिया गया है।

उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग व्यक्तिगत रूप से भी उनसे मिलने आना चाहते हैं, उन्हें उनके दफ्तर तक आने की अनुमति नहीं दी जा रही है। देश के लोकतंत्र और स्वतंत्रता के इतिहास का हवाला देते हुए टीएमसी प्रमुख ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर जमकर भड़सा निकाली, उन्होंने कहा कि क्या हम स्वतंत्र हैं? क्या इस देश में अब हमारे पास कोई स्वतंत्रता बची है? हमारे महान नेताओं ने देश की आजादी के लिए अपनी जानें कुर्बान की थीं

और आज हमें यह देखना पड़ रहा है कि बीजेपी पैसे के बल पर लोगों को खरीद रही है और हमारे कार्यकर्ताओं, विधायकों व सांसदों को टीएमसी में शामिल होने पर जेल भेजने की धमकी दे रही है। बीजेपी को खुली चुनौती देते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि क्या यह व्यवहार करने का कोई तरीका है? अगर आप में हिम्मत है, तो राजनीतिक रूप से मुकाबला करिए। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

ममता के इस तीखे बयान के बाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हलकों में सरगमीं तेज हो गई हैं। टीएमसी लगातार आरोप लगा रही है कि केंद्रीय एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। वहीं, बीजेपी ने इन सभी आरोपों को निराधार बताते हुए पलटवार किया है कि ममता बनर्जी अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख बोखला गई हैं और प्रशासनिक नाकामियों का टीकरा दूसरों पर फोड़ रही हैं।

संगरूर में रैली कर कांग्रेस का पंजाब में शुरु होगा चुनावी अभियान

-4 नवंबर को राहुल गांधी करेंगे रैली को संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पंजाब में अपने चुनावी अभियान की शुरुआत 4 नवंबर को संगरूर जिले में होने वाली राहुल गांधी की रैली से करेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) और सांसद केसी वेणुगोपाल ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक समीक्षा बैठक के बाद घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता मौजूदा सरकार में बदलाव चाहती है और कांग्रेस को राज्य में सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नेताओं, जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों, संभावित उम्मीदवारों, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी



के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता सहित कई पदाधिकारियों से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और चुनावी तैयारियों को गति देना है। पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाकर वेणुगोपाल ने राज्य सरकार पर

निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और नशे के कारोबार ने गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। उन्होंने हाल में हुई गोलीबारी की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कहा कि सरकार का पुलिस प्रशासन पर

नियंत्रण कमजोर पड़ गया है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पार्टी पंजाब को इन समस्याओं से बाहर निकालने और प्रदेश में शांति बहाल करने के लिए काम करेगी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी का पंजाब के लोगों से गहरा जुड़ाव है और युवा वर्ग, खासकर जेनेरेशन जेड, उनके विचारों से प्रभावित हो रहा है। उनके मुताबिक, 4 नवंबर की रैली में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखंड और गोवा की तरह पंजाब में भी संगठनात्मक मजबूती पर विशेष ध्यान दे रही है। पार्टी का लक्ष्य राज्य में जनसमर्थन बढ़ाकर सरकार बनाना है।

कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने से बचने वालों को पिछड़ों की बात करने का हक नहीं: अभिषेक दुबे

एटा, एजेंसी । उत्तरप्रदेश के भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक कृष्ण दुबे ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधकर परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पूर्व



मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह के निधन पर उनसे दूरी बनाई, उन्हें पिछड़े समाज के हितों की बात करने का नैतिक अधिकार नहीं है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता दुबे ने कहा कि सपा की राजनीति परिवारवाद और जातीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के सत्ता में रहने के दौरान विकास कार्यों के बजाय अपने परिवार को मजबूत करने पर अधिक ध्यान दिया गया। दुबे ने कहा

कि सपा नेता पिछड़े वर्गों के हितों की बात करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह के सम्मान और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों से दूरी बनाने का उनका फैसला उनके दावों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों का उल्लेख कर कहा कि पार्टी ‘सबका साथ, सबका विश्वास’ के सिद्धांत पर काम कर रही है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि वर्तमान सरकार सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए योजनाएं चला रही है। उन्होंने सपा की राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि जनता अब परिवारवाद और तुष्टीकरण के बजाय विकास को प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस-सपा के संस्कार ही गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्य करने की आदत है: सीएम योगी



गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्यों को करने की आदत है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी ने अयोध्या के विकास की करने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। आज बड़ा पावन दिवस है, इस अवसर पर वह समस्त प्रदेशवासियों का सीएम ने आरोप लगाया कि भगवान राम

का मंदिर बनाने, अयोध्या का विकास करने और वहां एयरपोर्ट का निर्माण करने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। आज बड़ा पावन दिवस है, इस अवसर पर वह समस्त प्रदेशवासियों का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने नारी सम्मान

पर जोर देते हुए कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वह धरती तीर्थ बन जाती है। हर व्यक्ति भगवान राम से जुड़ा हुआ है और महर्षि वाल्मीकि प्रभु राम तक पहुंचने के माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने राम भक्तों की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण कराया है। सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि में भगवान रामलला के दर्शन के बाद श्रद्धालु महर्षि वाल्मीकि के मंदिर में भी नतमस्तक हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में गोस्वामी तुलसीदास और माता शबरी के मंदिर भी बनाए गए हैं, इसके अलावा निषादराज का मंदिर भी है।

राजनाथ सिंह का खड़गो को जवाब, ऐसी टिप्पणियों से विवलित नहीं होने वाले प्रधानमंत्री मोदी

इंफाल, एजेंसी । नई दिल्ली (ईएमएस) । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि खरगो की टिप्पणी से वह आहत और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह की टिप्पणियों से न विचलित कर सकते हैं और न ही जनसेवा के प्रति उनके संकल्प को कमजोर किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि टिप्पणी कांग्रेस के किसी सामान्य कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि देश की सबसे पुरानी पार्टी होने का दावा करने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। उनके अनुसार, खड़गो के बयान से करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी गलती स्वीकार करने और खेद व्यक्त करने के बजाय खड़गो के बयान को सही ठहराने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में गंभीरता, संयम, मर्यादा और जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा होती है। इस तरह की भाषा पद की गरिमा के विपरीत है और कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल खड़े करती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन असहमति को व्यक्तिगत अपमान में बदलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेता पहले प्रधानमंत्री मोदी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाते रहे हैं और उनकी माता के प्रति भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कई बार किया गया है। अब इस तरह की राजनीति पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि नीतियों पर सवाल उठाना और सत्ताधारी सरकार की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के परिवार को निशाना बनाना कांग्रेस की हताशा और वैचारिक कमजोरी को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी केवल किसी व्यक्ति या परिवार का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की गरिमा को भी नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता हर बात पर नजर रखती है और समय आने पर अपना जवाब देती है।



‘कश्मीर को घसीटकर नहीं, साथ लेकर चलिए’, महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से की अपील

श्रीनगर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय की वर्षगांठ के मौके पर पीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर के लोगों को साथ लेकर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने भारत के साथ जुड़ने का फैसला महात्मा गांधी, जावाहरलाल नेहरू और डॉ. भीमराव अंबेडकर के धर्मनिरपेक्ष भारत की परिकल्पना के आधार पर किया था। पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि केंद्र को सख्ती करने के बजाय लोगों

का विश्वास जीतने पर ध्यान देना चाहिए। महबूबा ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू-कश्मीर के हालात पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगस्त 2019 ने विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं। उन्होंने सुरक्षाबलों की तैनाती, छापेमारी और युवाओं को हिरासत में लेने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार जिस शांति और सामान्य स्थिति का दावा करती है, वह उनके अनुसार डर का परिणाम है।

पीडीपी प्रमुख ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों का उल्लेख कर कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान इंसानियत, एकता और कश्मीरियत के सिद्धांतों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से स्थानीय लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने की अपील की। महबूबा ने हरियाणा में कश्मीरी यात्रियों से जुड़ी एक बस पर पत्थर फेंकने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं चिंता पैदा करती हैं और जम्मू-

कश्मीर के लोगों को अब भी संदेह की नजर से देखने का सवाल उठती हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ जुड़ने की परिस्थितियों को याद रखना जरूरी है। केंद्र सरकार को संबोधित कर महबूबा ने कहा, “जम्मू-कश्मीर को घसीटकर अपने साथ रखने की बजाय सख्ता हाथ पकड़कर उसे अपने साथ चलाइए।” उनका कहना है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सख्ती के बजाय संवाद और विश्वास बहाली जरूरी है।



खड़गो तुरंत बिना शर्त माफी मांगें, पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा हमलावार

खड़गो की टिप्पणी राहुल गांधी की राजनीति की शैली को दिखाती

नई दिल्ली, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की कथित विवादित टिप्पणी पर सियासी घमासान तेज हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता खड़गो के बयान की कड़ी आलोचना कर उनसे तत्काल बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक विमर्श का स्तर गिराने और प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने कहा कि कांग्रेस नेता खड़गो की कथित टिप्पणी राहुल गांधी की राजनीति की शैली को दिखाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता लगातार प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की बयानबाजी से राजनीतिक संवाद की मर्यादा प्रभावित होती है और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार आचरण को लेकर सवाल खड़े होते हैं। भाजपा प्रवक्ता केसवन ने दावा किया कि

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां कोई नई बात नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के परिवार, विशेषकर उनकी दिवंगत मां को लेकर की गई कथित टिप्पणियों का उल्लेख किया। केसवन ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन व्यक्तिगत अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल स्वीकार नहीं हो सकता है। उन्होंने खड़गो की टिप्पणी को देश के करोड़ों मतदाताओं के जनாदेश का अपमान बताकर कहा कि संवैधानिक और सार्वजनिक पदों पर बैठे नेताओं से अधिक संयम तथा जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। उनके अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष को अपने पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए और अपने बयान के लिए जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए। खड़गो की टिप्पणी को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस विवाद ने राजनीतिक बयानबाजी और सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर बहस तेज कर दी है।

पहला सेट हारने के बाद मेदवेदेव की दमदार वापसी

अल्माटी ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास

कजाकिस्तान, एजेसी। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने शानदार वापसी करते हुए अल्माटी ओपन 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने फाइनल में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को 6-7 (6), 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने पहली बार अपने करियर में किसी ब्रुक टूर टूर्नामेंट का खिताब सफलतापूर्वक बचाने का कारनामा किया।

पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव की शानदार वापसी - अल्माटी ओपन के फाइनल में बासिलाशविली ने आक्रामक शुरुआत करते हुए मेदवेदेव को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले सेट में मुकाबला बराबरी का रहा और फैसला टाईब्रेक में पहुंचा। मेदवेदेव

के पास सेट प्वाइंट का मौका भी आया, लेकिन वह उसे भुना नहीं सके और बासिलाशविली ने पहला सेट 7-6 (6) से जीत लिया।

दूसरे सेट में मेदवेदेव ने पलट दिया मैच -

पहला सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने खेल में जबरदस्त सुधार किया। उनकी निरंतरता, मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट्स के सामने बासिलाशविली की चुनौती कमजोर पड़ने लगी। मेदवेदेव ने दूसरे सेट में पूरी तरह दबदबा बनाते हुए इसे 6-1 से जीत लिया और मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।



निर्णायक सेट जीतकर बचाया अल्माटी ओपन का खिताब - तीसरे सेट में भी मेदवेदेव ने अपनी लय बरकरार रखी और बासिलाशविली को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने निर्णायक सेट 6-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एक घंटे 53 मिनट तक चले इस फाइनल में मेदवेदेव की सर्विस भी बेहद प्रभावी रही। वह पूरे मुकाबले में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं गंवाने में सफल रहे और पहली सर्विस पर 78 प्रतिशत अंक हासिल किए।

करियर का 25वां और सीजन का चौथा खिताब - अल्माटी ओपन की जीत के साथ मेदवेदेव का करियर का 25वां और सीजन का चौथा खिताब जीतने का सफर पूरा हुआ।

जीत मेदवेदेव के करियर का 25वां ब्रुक टूर खिताब है, जबकि 2026 सीजन में यह उनकी चौथी ट्रॉफी रही। इससे पहले वह ब्रिस्बेन, दुबई और चेंगदू में भी खिताब जीत चुके हैं। इस सीजन में उनसे ज्यादा ATP टूर खिताब केवल इटली के यानिक सिनर ने जीते हैं, जिनके नाम छह ट्रॉफियां हैं।

अब वियना टूर्नामेंट में खेलेंगे मेदवेदेव - अल्माटी में खिताब जीतने के बाद मेदवेदेव अब वियना में होने वाले ब्रुक टूर 500 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुब्लिक के चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी। बुब्लिक पहला सेट 3-6 से हारने के बाद मैच से हट गए थे।

रणजी ट्रॉफी

सारांश जैन ने झटके 7 विकेट, मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार 99 रन पर आउट

नई दिल्ली, एजेसी। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के तीसरे चरण में मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार की टीम पहले दिन सोमवार (26 अक्टूबर) को पहले ही सत्र में ऑलआउट हो गई। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार की टीम सिर्फ 99 रन बना पाई। मध्य प्रदेश के लिए ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने 7 विकेट झटके। बिहार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उसका यह फैसला गलत साबित हुआ। टीम के केवल दो बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बिहार के लिए सबसे ज्यादा रन ओपनर मंगल महारौ ने बनाए। उन्होंने 87 गेंद पर 5 चौके की मदद से 42 रन बनाए।

साबिकबुल गनी भी फेल - मंगल के साथी ओपनर नमन गौरव बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। श्रमण निगोध भी खाता नहीं खोल पाए।



आयुष लोहारका 1, कप्तान साबिकबुल गनी 2, आकाश राज बगैर खाता खोले, राघवेंद्र प्रताप सिंह 8, आदित्य राज 4, सूरज कश्यप 15 और हिमांशु 3 रन बनाकर आउट हुए। अमोद यादव 2 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के लिए सारांश जैन ने 13 ओवर में 40 रन देकर 7 विकेट लिए। आवेश खान ने 2 और कुमार कार्तिकेय ने 1 विकेट लिए।

अनौपचारिक टेस्ट

पंडितकल-सुदर्शन और यश की दमदार पारियों ने कराई वापसी

● भारत ए के नाम रहा तीसरा दिन



नई दिल्ली, एजेसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले जा रहे अनौपचारिक टेस्ट मैच का तीसरा दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने शानदार वापसी करते हुए दूसरी पारी में 8 विकेट खोकर 488 रन बना लिए हैं। टेस्ट के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी रही। देवदत्त पंडितकल और साई सुदर्शन ने अपनी 96 रनों की साझेदारी को आगे बढ़ाया और भारतीय टीम को 200 रनों का आंकड़ा पार कराया। सुदर्शन अपने शतक से चूक गए और 184 गेंदों में 91 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 12 चौके लगाए। हालांकि, ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 2 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पंडितकल और यश राठौड़ ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 142 रनों की अहम साझेदारी निभाई। पंडितकल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 248 गेंदों में 199 रनों की यादगार पारी खेली। हालांकि, वह अपने दोहरे शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। पंडितकल जैक गिब्सन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। मगर वह अपाय के फैसले से नाशुश दिखाई दिए। भारतीय बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 24 चौके और 3 छक्के लगाए। यश ने 72 गेंदों का सामना करते हुए 66 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। यश ने अपनी पारी में कुल 8 चौके लगाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और अंशुल कंबोज ने भी मिलकर 41 रनों की अहम पार्टनरशिप की। अंशुल 36 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। कंबोज के आउट होने के बाद वॉशिंगटन को आकिब नबी के रूप में एक और जोड़ीदार मिला और दोनों ने मिलकर 106 गेंदों में 69 रन जोड़े। आकिब ने 63 गेंदों में 38 रन बनाए। वहीं, सुंदर दिन का खेल खत्म होने तक अपना अर्धशतक पूरा कर 51 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वह अपनी इस पारी में अब तक 6 चौके लगा चुके हैं। सुंदर का साथ आकाशदीप बिना खाता खोले निभा रहे हैं। भारत की कुल बढ़त 284 रनों की हो चुकी है और टीम के अभी 2 विकेट शेष हैं। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में जैक गिब्सन और क्रिस्टियन क्लार्क ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने एक विकेट झटका।

यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं

इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया।

एमबाप्पे ने सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया

उन्होंने आगे कहा, 'इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले। हम एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया। '2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से एम्बाप्पे ने 2024/25 का 'गोल्डन बूट' और दो 'पिचची ट्रॉफियां' (2024/25 और 2025/26) जीती हैं। इसके अलावा, वह पिछली चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी (टॉप स्कोर) भी रहे थे।

बार्सिलोना, एजेसी। रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने के बाद स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं है, क्योंकि अभी और भी कई गोल आने बाकी हैं। एम्बाप्पे ने 'एल क्लासिको' के दौरान रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जिससे कैप नोड में टीम की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। रियल मैड्रिड के लिए उनके 100 गोल इस प्रकार हैं: ला लीगा में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब वर्ल्ड कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल। एम्बाप्पे क्लब के



साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल कर चुके हैं। एम्बाप्पे ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूँ। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।' 2025 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल करने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की।

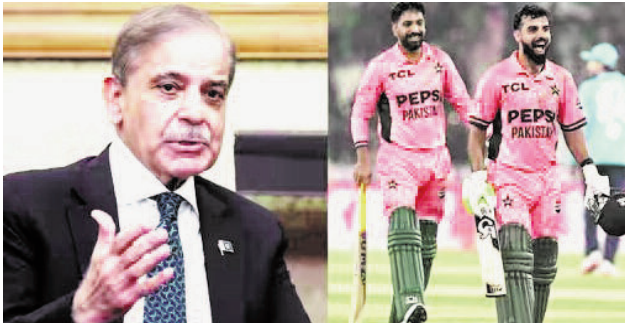
उन्होंने 59 गोल किए। इसके अलावा, पिछले विश्व कप के दौरान फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हुए एम्बाप्पे 22 गोल के साथ इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।



एक मैच क्या जीत गए पूरा देश होश खो बैठा

शहबाज शरीफ ने किया लंबा-चौड़ा पोस्ट, फैस बोले- वर्ल्ड कप नहीं जीते हो शर्म करो

नई दिल्ली, एजेसी। ट्राई सीरीज के चौथे वनडे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की 1 विकेट से मिली रोमांचक और अकल्पनीय जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 154 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद ऑलराउंडर शादाब खान (113) और हारिस रऊफ की रिकॉर्ड 89 रनों की साझेदारी ने पाकिस्तान को हार के मूंह से निकालकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।



शहबाज शरीफ ने की तारीफ

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खिलाड़ियों के साथ-साथ पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी की तारीफ करते हुए लिखा, 'बहुत बढ़िया, टीम पाकिस्तान! शाबाश! लाहौर में इंग्लैंड पर शानदार जीत के लिए हमारे लड़कों को हार्दिक बधाई। हर रन, हर विकेट और हर कैच ने उस धैर्य, अनुशासन और जुझारूपन को दर्शाया जो पाकिस्तान की पहचान है। शादाब और हारिस के बीच आखिरी विकेट की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया।'

कह- वेलडन बॉयज

उन्होंने आगे लिखा, 'शादाब का शतक शानदार था। वेल डन बॉयज! आज रात लाहौर की जनता की गर्जना पूरे देश की आवाज थी। आपने करोड़ों दिलों को गर्व और खुशी से भर दिया है। मैं पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत करने और हमारे घरेलू मैदान को विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का गौरवशाली मेजबान बनाने के उनके अथक प्रयासों के लिए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनकी पूरी टीम की भी सराहना करता हूँ।'



नई दिल्ली, एजेसी। टेस्ट क्रिकेट इतिहास के महानतम तेज गेंदबाजों में शामिल जेम्स एंडरसन का लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ सफर समाप्त हो गया है। क्लब ने 2027 सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। एंडरसन 2002 में क्लब का हिस्सा बने थे।

जेम्स एंडरसन अलग होने से खुश नहीं

44 साल के जेम्स एंडरसन ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसके बाद काउंटी में लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। इस दौरान उन्होंने टीम की कप्तानी भी की। जेम्स एंडरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं बचपन से लंकाशायर का सपोर्टर करता आया हूँ। इसलिए 25 साल तक इस टीम के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा था। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने के लिए मैदान पर उतरना मेरे लिए हमेशा से ही बहुत खास रहा है।

चोटिल ईशान किशन तीसरे टी20 मैच से हुए बाहर

● भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है

नई दिल्ली, एजेसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से बाहर हो गए हैं क्योंकि वे दाहिनी मांसपेशी में खिंचाव से उबर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को पुष्टि की कि किशन तेजी से ठीक हो रहे हैं, लेकिन 27 अक्टूबर को वेल्सिंगटन में होने वाले मैच से पहले उन्हें अभी भी मैच फिटनेस हासिल करनी बाकी है। किशन को पिछले सप्ताह पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान



मामूली मोच आ गई थी। वह दूसरा मैच भी नहीं खेल पाए, और उनकी अनुपस्थिति में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की प्रगति पर नजर रख रही है,' और साथ ही यह भी कहा कि अनेकपेड विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्रा तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टीम का हिस्सा बने रहेंगे। किशन की अनुपस्थिति का मतलब है कि भारत को इस बाएं हाथ के बल्लेबाज के पूरी तरह फिट होने का इंतजार करना होगा, क्योंकि टीम प्रबंधन ने उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारने का फैसला नहीं किया है। दाहिनी जांच की अंदरूनी मांसपेशियों में खिंचाव से खिलाड़ी की गति और विकेटों के बीच दौड़ने में बाधा आ सकती है।

ईशान की सेहत में सुधार?

भारत के गेंदबाजी कोच मोनो मोर्कल ने कहा कि एहतिताय के तौर पर किशन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के अपडेट में यह भी बताया गया कि विकेटकीपर-बल्लेबाज की हालत में सुधार हो रहा है, हालांकि अभी तक वह मैच के लिए आवश्यक फिटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं। किशन के चोटिल होने के बाद कुशाग्रा को बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया था और वह मंगलवार के मैच में भी टीम के साथ रहेंगे। वहीं, दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सूर्यवंशी ने किशन की जगह ली। भारत वेल्सिंगटन में सीरीज अपने नाम करने की कोशिश करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत 2-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। वेल्सिंगटन में जीत से मेहमान टीम को अजेय बढ़त मिल जाएगी और दो मैच शेष रहते ही सीरीज अपने नाम कर लेगी। किशन की अनुपलब्धता को देखते हुए, संजू समसन से विकेटकीपिंग की भूमिका जारी रखने की उम्मीद है, जबकि वैभव सूर्यवंशी को शीर्ष क्रम में एक और मौका मिलने की संभावना है।



‘रामायण’ की कहानियां सुनकर बड़े हुए, अब उसी का हिस्सा

नितेश तिवारी की फिल्म ‘रामायण’ में आदिनाथ कोठारे भरत की भूमिका निभा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने शुरुआत में लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। करीब छह महीने बाद उन्हें फोन आया कि उन्हें भरत के रोल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिल्म की शूटिंग के दौरान रणबीर कपूर के साथ उनका एक पुराना स्कूल कनेक्शन भी सामने आया। आदिनाथ ने बताया कि कैसे रणबीर ने पहले सीन के दौरान उन्हें एक खास सुझाव दिया।

पटकथा से वीएफएक्स तक, एक दशक से चल रहा है काम

आदिनाथ बताते हैं कि फिल्म की तैयारी कई साल पहले शुरू हो गई थी। वह कहते हैं, ‘फिल्म की पटकथा पर 2016-17 से काम चल रहा है। वीएफएक्स पर 2018-19 से काम हो रहा है। दर्शक पर्दे पर जो देखने वाले हैं, उसके पीछे करीब एक दशक की मेहनत है। इसके लिए बहुत धैर्य, लगातार काम और शोध की जरूरत पड़ी है। पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है।’ आदिनाथ का कहना है कि रामायण से उनका जुड़ाव बचपन से रहा है। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना

उनके लिए खास है। वह कहते हैं, ‘रामायण की कहानियां सुनकर हम बड़े हुए हैं। यह हमारे दिल और आत्मा में बसी हुई है। इससे जुड़ी भावनाएं हमारे भीतर हैं। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना कैसा अनुभव है, इसे शब्दों में समझाना मुश्किल है।’ भरत के किरदार की तैयारी के बारे में वह बताते हैं, ‘जब मैं ‘रामायण’ के सेट पर जाता था, तो वहां एक दैवीय ऊर्जा महसूस होती थी। मैंने अपनी तरफ से तैयारी की, पढ़ाई की और रामायण से जुड़ी जितनी सामग्री मिल सकी, उसे पढ़ने की कोशिश की।

भरत के किरदार के लिए हुआ चयन

आदिनाथ ने बताया कि उन्होंने सबसे पहले लक्ष्मण की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था। इसके बाद उन्हें भरत के किरदार के लिए चुने जाने की जानकारी मिली। वह कहते हैं, ‘मैंने सबसे पहले लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। यह करीब तीन-चार साल पहले की बात है। उसके लगभग छह महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे भरत के किरदार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।’

नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से ज्यादा दिखती हैं

‘रामायण’ को लेकर सोशल मीडिया पर आ रही

नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बारे में आदिनाथ का कहना है कि वहां फिल्म को लेकर सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। वह कहते हैं, ‘सोशल मीडिया पर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से भी ज्यादा दिखाई देती हैं। वहां सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। मुझे फिल्म के निर्माताओं की मेहनत और ईमानदारी पर भरोसा है।’ फिल्म की कुछ पंक्तियों की डबिंग करते समय आदिनाथ को फिल्म की दुनिया की एक झलक देखने को मिली। इसे देखकर वह इतने भावुक हो गए कि उनकी आवाज भर्रा गई। वह कहते हैं, ‘कुछ समय पहले मुझे फिल्म की कुछ पंक्तियों की

डबिंग करनी थी। उस दौरान मुझे नितेश सर और नमित सर की बनाई दुनिया की एक झलक देखने को मिली। मैं भावुक होकर रो पड़ा। स्क्रीन और माइक के सामने खड़े-खड़े मेरी आवाज भर्रा गई। यह अहसास बहुत भावुक कर देने वाला था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं।’ आदिनाथ इस फिल्म से अपने जुड़ाव को दैवीय अनुभव मानते हैं। वह कहते हैं, ‘रामायण मेरे लिए दैवीय हस्तक्षेप जैसी है। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैंने अपनी ज़िंदगी में या पिछले जन्म में कुछ अच्छा किया होगा, जिसकी वजह से मुझे इस पवित्र प्रक्रिया का हिस्सा बनने का मौका मिला।’

‘रामायण’ के सेट पर फिर याद आए पुराने दिन

रणबीर कपूर और आदिनाथ कोठारे मुंबई के बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में पढ़ चुके हैं। रणबीर उनसे सीनियर थे। ‘रामायण’ के सेट पर मुलाकात हुई, तो आदिनाथ ने उन्हें स्कूल के दिनों की बात याद दिलाई। वह बताते हैं, ‘रणबीर कपूर और मैं एक ही स्कूल, बॉम्बे स्कॉटिश में पढ़ते थे। वह मुझसे सीनियर थे। जब मैं छठी या सातवीं कक्षा में था, तब हमारे एक साझा दोस्त बिनोय गांधी ने उनसे मेरा परिचय कराया था। ‘रामायण’ के सेट पर उनसे मिला, तो मैंने उन्हें यह बात याद दिलाई।’ फिल्म में दोनों का पहला सीन स्वयंवर के प्रसंग का था। उस दृश्य में रणबीर राम, रवि दुबे लक्ष्मण और आदिनाथ भरत की भूमिका में थे। पहले दिन रणबीर ने आदिनाथ को एक सुझाव दिया, जो उनके काम आया।



मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म ‘गजब रात’ को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिया दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल ‘घुसखोर पंडत’ को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है।

इंटरव्यू में दिया दत्ता ने फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों के साथ होने वाले भेदभाव, उन्हें एक तय छवि में बांधने और लीड और को-एक्टर के बीच फर्क करने की सोच पर खुलकर बात की। दिया ने कहा कि हर कलाकार को उसकी प्रतिभा के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए। दोनों कलाकारों का मानना है कि ओटीटी के आने से इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और दर्शक भी अब कहानियों व किरदारों को ज्यादा बारीकी से समझने लगे हैं।

दिया दत्ता को पसंद नहीं

‘सपोर्टिंग एक्टर’ का टैग

कलाकारों को एक ही तरह की छवि में बांधने के मुद्दे पर दिया दत्ता ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें ‘सपोर्टिंग एक्टर’ और ‘कैरेक्टर एक्टर’ जैसे टैग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। दिया ने कहा, ‘मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं। क्योंकि जब आपको समझ नहीं आता कि किसी कलाकार को किस श्रेणी में रखा जाए, तो आप बस उसे एक आम और सीमित नजरिए से देखने लगते हैं।’ उनका मानना है कि किसी कलाकार को एक तय श्रेणी में रखने से उसकी प्रतिभा को समझने का नजरिया सीमित हो जाता है।

हर कलाकार को एक ही कैटेगरी में क्यों बांधना?

दिया दत्ता ने कलाकारों को एक ही कैटेगरी में बांधने की सोच पर अपनी बात रखते हुए कहा, ‘लेकिन आप बस एक एक्टर क्यों नहीं

हो सकते? मैं एक फिल्म में विलेन का रोल कर सकता हूँ, तो दूसरी में लीड रोल भी कर सकता हूँ। मेरा एक शो (चिरेया) था, जो पूरी तरह से मेरे कंधों पर टिका था और उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मुझे बस एक ही कैटेगरी में बांध दें।’

हम जिन सीन्स में होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं

दिया ने आगे कहा, ‘मुझे लगता है कि लोगों के बीच एक ऐसी सोच बन गई है कि अगर हमें कोई और टैग नहीं मिल रहा है, तो शायद हम बहुत आलसी हैं, इसलिए चलो इन्हें बस सपोर्टिंग एक्टर ही कह देते हैं। हमें यह पसंद नहीं है, कृपया हमें ऐसा न कहें। हम खुद को एक पूर्ण एक्टर मानते हैं; जिन सीन्स में हम होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं।’ दिया की इस बात से मनोज बाजपेयी भी सहमत नजर आए। दोनों का मानना है कि कलाकार को किसी एक टैग तक सीमित करने के बजाय उसके काम और एक्टिंग के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए।

ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

दिया दत्ता का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, ‘पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर के साथ काफी नाइसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।’



दिसंबर में दूल्हा बनेंगे तेजा सज्जा

तेजा सज्जा फिलहाल थो ‘ट टैटर्स तेलुगु’ को होस्ट कर रहे हैं। इस बीच खबरें सामने आ रही हैं कि एक्टर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। एक्टर ने खुद इस बात की जानकारी शेयर की है।

तेजा सज्जा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा कि ये एक अरेंज मैरिज है, जो मेरे माता-पिता ने फिक्स की है। अपनी होने वाली दुल्हन के बारे में कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उनकी होने वाली पत्नी की परवरिश अमेरिका में हुई है। वह फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से पूरी तरह दूर हैं। तेजा ने कहा, ‘उनकी परवरिश अमेरिका में हुई है और उन्हें इस चमक-दमक के बारे में बिल्कुल जानकारी नहीं है। मुझे उनकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई और मैं चाहता हूँ कि आगे भी ऐसा ही रहे। उनके परिवार और फिल्मों से कोई संबंध नहीं है। वे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करते हैं और वह अपने पिता के साथ काम करती हैं।’ खबरों के मुताबिक, तेजा सज्जा अपनी शादी को बेहद निजी रखना चाहते हैं। वह किसी बड़े समारोह के बजाय परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने का प्लान बना रहे हैं।

बताया जा रहा है कि उनकी सगाई नवंबर में हो सकती है, जबकि शादी दिसंबर में उदयपुर में होने की चर्चा है। तेजा ने अपनी निजी ज़िंदगी को हमेशा लाइमलाइट से दूर रखा है। शादी को लेकर भी वह इसी तरीके को अपनाया चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, ‘मैंने हमेशा अपनी निजी ज़िंदगी को पूरी तरह निजी रखा है और शादी के मामले में भी ऐसा ही करूंगा। यह एक छोटा समारोह होगा, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।’ राजस्थान के उदयपुर में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने के बाद तेजा सज्जा हैदराबाद में रिसैप्शन दे सकते हैं। इस समारोह में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों और अन्य हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। शादी की खबरों के अलावा तेजा सज्जा अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। अभिनेता फिल्म ‘जॉन्सी रेड्डी एनएक्सटी एलवीएल’ में मुख्य भूमिका में वापसी करेंगे। यह साल 2019 में आई फिल्म ‘जॉन्सी रेड्डी’ का सीक्वल है और इसका निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा कर रहे हैं। इसके अलावा तेजा फिल्म ‘जय हनुमान’ में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह एक बार फिर हनुमंथु का किरदार निभाएंगे, जबकि ऋषभ शेट्टी भगवान हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

राम पोथिनेनी की फिल्म से तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं रितेश देशमुख

बॉलीवुड में अपनी दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। एक्टर एनर्जेटिक स्टार राम पोथिनेनी की फिल्म के साथ रितेश अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंट्री का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि इन दिनों हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग चल रही है और वहां रितेश भी टीम के साथ जुड़ गए हैं। अब फिल्म के सेट से एक बिहाईड द सीन्स वीडियो सामने आया है, जिसमें राम पोथिनेनी अभिनेता रितेश का गर्मजोशी से स्वागत करते और उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं।

कौन करेगा फिल्म का निर्देशन

फिल्म में राम पोथिनेनी सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि बतौर डायरेक्टर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस रापो सिनेमेटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह इसी साल दिसंबर में आएगी।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी नियो-नोयर दुनिया में सेट है, जो इसके रहस्य और रोमांच को एक अलग अंदाज देने वाली है। अब ‘एक विलेन’, ‘रेड 2’ और ‘राजा शिवाजी’ जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखा चुके रितेश देशमुख साउथ सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और अपने किरदार से प्रभावित होकर रितेश ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है।



जान्हवी कपूर के ‘पेद्दी’ विवाद पर बोलीं रश्मिका

शो ‘कॉफी विद करण’ के नौवें सीजन में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा पहुंचे। इस जोड़ी ने अपनी निजी ज़िंदगी से लेकर सिनेमा तक कई दिलचस्प बहस पर बात की। इसी दौरान रश्मिका-विजय ने इंडस्ट्री में कॉस्ट्यूम की सीमाओं पर चर्चा की। उनका शिफ्टेशन ‘पेद्दी’ विवाद के बीच अभिनेत्रियों पर होने वाले दबाव का संकेत देता है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने काम के दौरान कुछ पर्सनल बाउंड्री बनाने के महत्व पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि वे हमेशा रिस्क दिखाने में कम्फर्टेबल नहीं होतीं। रश्मिका ने कहा कि कुछ किरदारों के लिए खास लुक्स की जरूरत हो सकती है। मगर, वे ज्यादा रिस्क शो के साथ

सहज नहीं हैं। उन्होंने कहा, ‘कुछ चीजें हैं, जहां मैं सहज नहीं हूँ। मुझे पता है कि कुछ कैरेक्टर्स को बिकनी जैसी किसी चीज की जरूरत होती है, लेकिन मैं उसमें भी कंजुंगी कि मैं एक्सपोजिंग और रिस्कन शो के साथ बहुत सहज नहीं हूँ। मैं उस तरह की इंसान नहीं हूँ।’ रश्मिका ने माना कि कर्माशियल फिल्मों में कभी-कभी ऐसे कॉस्ट्यूम की जरूरत होती है, जिन्हें पहनकर परफॉर्म पूरी तरह से सहज महसूस न करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर को बिना डरे अपनी परेशानियां बतानी चाहिए। बाउंड्री बनानी चाहिए। एक्टर ने कहा, ‘जब आप कर्माशियल फिल्में करते हैं, तो ऐसे कॉस्ट्यूम होंगे, जिनमें आप पूरी तरह से कम्फर्टेबल नहीं होंगे। लेकिन साथ ही, कुछ

लाइनें होती हैं, जो मैं अपने लिए बनाती हूँ।’ एक्टर ने कहा, ‘ज्यादातर फिल्मों में डायरेक्टर इससे सहमत होते हैं और मैं ऐसे लोगों के साथ ही काम करना पसंद करती हूँ।’

क्या है जान्हवी कपूर से जुड़ा विवाद

फिल्म ‘पेद्दी’ में जान्हवी कपूर के किरदार की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। दर्शकों ने इसे हद से ज्यादा बोल्ड बताया। कैमरा वर्क, रोमांटिक सीन और उनके फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस करना भी विरोध का हिस्सा बन गया। बाद में जिन सीन को लेकर आलोचना हुई, उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। फिल्म के निर्देशक ने माफी भी मांगी थी।



घर बैठे विदेशी डिग्री

ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्रएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनेस, टेक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायोगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनेस टेक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। वहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफेशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम्' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए <http://www.bu.edu> पर क्लिक करें।

वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनेस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमेंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनेस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमेंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफेशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरूआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते है या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है।नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इंटरनॅशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की काल् समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से संबंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिए।

✱ के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बरारी रोड, भागलपुर, (बिहार)

✱ नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ,(उ.प्र.)

✱ आर.वी.टी.एस. गवर्नमेंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)

✱ स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)



चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कैरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

टी मैनेजमेंट ताजगी भविष्य की...

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कैरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं है। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कैरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुड़े अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

कार्य का स्वरूप

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से ताड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

कंप्यूटर की मदद

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक समिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां



निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

योग्यता

शैक्षणिक: बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉटीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टेस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

व्यक्तिगत योग्यता: इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

रोजगार के अवसर

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्माता होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी



एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजर: बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

टी टेस्टर: टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

रिसर्चर: यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉटीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।



इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

टी ब्रोकर: टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

कंसल्टेंट: टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

पारिश्रमिक

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में दबदस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ प्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुनूर, केरल
यूपीएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तांनों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफेशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी गुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सफल हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।



डीन के लिए रैजीडेंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूँकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्लिप्टिव हैड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कोटेक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज सांझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून ने एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। वहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटेक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरुआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टिकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कोटेक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के

किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टेंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।